फाल्गुन शुक्ल पक्ष- 8, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 232 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
25 फरवरी 2026 बुधवार

आज का मौसम
32.2 अधिकतम
13.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

बड़ी एआई इकॉनामी पर सरकार का फोकस, कुछ कमियों को दूर करना जरूरी

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

एआई में भारत-कल, आज और कल: पार्ट 2

बीते दस सालों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर पहली बार भारत सरकार का पूरा फोकस है। टीसीएस और इंफोसिस जैसी निजी कंपनियों के साथ केंद्र सरकार ने सरकारी एआई मिशन के लिए दस हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश किया है। सरकार कोशिश कर रही है कि भारतीय टेलेंट भारत में ही रहकर स्वदेशी तकनीक पर काम करे। ब्रेन ड्रेन को रोकने के लिए भी वह अपने टेलेंट को पर्याप्त सैलरी देने की दिशा मे भी तेजी से सोच रही है। बावजूद इसके उसकी तीन बड़ी कमियां हैं जिन पर तेजी से काम करने की जरूरत है। पहली कमी यह है कि हमारे यहां मौलिक एआई पर रिसर्च आधारित काम और

टिप मेनुफेक्चरिंग नहीं हैं। अमेरिका और चीन के मुकाबले भारत सरकार फंडिंग में काफी पीछे है। लेकिन अब उसने अपना खुद का डाटा सेंटर बनाने तथा सेमीकंडक्टर बनाने के मोर्चे पर तेजी से आगे बढ़ने की पहल की है जिसके नतीजे आने में कुछ साल लग सकते हैं। सरकार का लक्ष्य 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी एआई इकॉनामी बनना है। एआई से देश के जीडीपी में 500 बिलियन डॉलर की ग्रोथ करना तथा 20 से 25 मिलियन जॉब एआई सेक्टर में पैदा करना। भारत सरकार के मंसूबों को देखते हुए ही विश्व की बड़ी आईटी और एआई कंपनियां भारत में निवेश का ऐलान कर चुकी हैं। वर्ष 2025-26 की रैंकिंग की बात करें तो अमेरिका इसलिए सबसे ऊपर है, क्योंकि वह इस क्षेत्र में इनोवेशन तथा रिसर्च में सबसे आगे है और दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियां वहीं पर हैं। चीन दूसरी पायदान पर इसलिए है, क्योंकि वहां सरकार ने एआई और डाटा पर भारी निवेश किया है। भारत तीसरे क्रम पर इसलिए आता है कि क्योंकि उसके पास एआई और कम्प्युटर तथा आईटी सेक्टर में भरपूर प्रतिभा हैं। आईटी सर्विस में विदेशों में भी हमारी प्रतिभा अपना योगदान दे रही है।

शुरुआती दौर के बाद भारत के लिए आगे की राह

बहरहाल, भारत में एआई सेक्टर में अपनी स्वदेशी तकनीकों पर काम करने को लेकर रूचि 2015 से 2017 के बीच तब जागी, जब उसने डिजिटल इंडिया कार्यक्रम लॉच किया। इसमें एआई पर सीधा फोकस भले ही नहीं था, लेकिन इस पर विमर्श शुरू हो चुका था लेकिन इसको लेकर कोई नेशनल पॉलिसी नहीं थी। इसलिए इसे प्री एआई रणनीतिक दौर माना जा सकता है। आधिकारिक तौर पर भारत सरकार ने एआई मिशन 2018 में शुरू किया जब नीति आयोग ने इसे नेशनल पॉलिसी के बतौर घोषित किया। 'एआई फॉर ऑल' के उदघोष के साथ भारत सरकार के नीति आयोग ने 2018 में रिपोर्ट प्रकाशित की। इसके मुताबिक भारत सरकार का फोकस सिविल इंजयिरिंग,स्वास्थ्य सेवा, कृषि सेक्टर, शिक्षा, छोटे शहरों परिवहन, समार्ट सिटी के साथ और सरकारी सेक्टर में एआई के जरिए प्रशासिनक सुधारों पर होगा। यहीं से एआई सेक्टर भारत सरकार की प्राथमिकता सूची में दर्ज हो गया। वर्ष 2020 में नेशनल एआई पोर्टल बनाकर सरकारी एआई ईकोसिस्टम पर काम शुरू किया। इसके तहत एआई पॉलिसी बनाई गई। 2024 में इंडिया एआई मिशन लॉच के साथ 10 हजार 300 करोड़ के पूंजी निवेश के साथ भारत ने सरकारी तौर पर उड़ान की शुरूआत की। इसके जो लक्ष्य तय किए गए उसमें स्वदेशी एआई मॉडल बनाना, एआई आधारित सुपरकम्पयुटिंग के बुनियादी ढांचे का विकास, एआई स्टार्ट अप की मदद के साथ कुशल मैनपॉवर का निर्माण शामिल था। - जारी

न्यूज विंडो

आईडीएफसी बैंक घोटाले में चार लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाला मामले में देर रात विजिलेंस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ़्तार किया है। टीम ने घोटाले के मास्टरमाइंड रिभव ऋषि समेत तीन और लोगों को अरेस्ट किया है। गिरफ्तार होने वाले लोगों में मास्टरमाइंड रिभव ऋषि अभय, स्वाति सिंगला और अभिषेक सिंगला शामिल हैं। बता दें कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की चंडीगढ़ शाखा में 590 करोड़ रुपये के घोटाले के कारण निवेशकों की संपत्ति में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की भारी गिरावट आई।

झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन के पोते की मौत

मनाली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के पोते और बाबूलाल सोरेन के पुत्र वीर सोरेन का मनाली में देहांत हो गया है। वह अपने दोस्तों के साथ मनाली घूमने आया था। सोलंगनाला व हामटा स्नो प्वाइंट में घूमने के बाद वापस होम स्टे में लौट आए। मंगलवार सुबह वह होम स्टे में ही रुका था जबकि अन्य दोस्त घूमने गए। दोस्त वापस लौट तो वीरेन ने सर में भारी दर्द होने की बात दोस्तों को बताई। दोस्तों ने उसे दवाई दी। वीर दवाई खाकर सो गया। बाद में दोस्तों को वीरेन के बिस्तर से नीचे गिरने की आवाज सुनाई दी। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से पति पत्नी व बच्ची की गई जान

पाकुड़। पाकुड़-रामपुरहाट रेलखंड के बीच नवीनगर स्टेशन के समीप एक हादसे में पति-पत्नी और उनके मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। तीनों की जान वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से हुई है। जानकारी अनुसार देर रात तेज रफ्तार से गुजर रही ट्रेन की चपेट में आने से राजा पाड़ा के चंदन सरदार, उनकी पत्नी रिम्पा और बेटी अर्पिता की मौत हो गई।

अमेरिका में बर्फीले तूफान से 11 हजार फ्लाइट रद्द

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में भीषण तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण एयरपोर्ट पर रनवे बंद करने पड़े और कई जगह उड़ानों पर रोक लगानी पड़ी है। यहां 11,055 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। सिर्फ सोमवार को ही करीब 5,600 से 5,700 उड़ानें कैंसिल हुईं, जो देशभर की उड़ानों का 20% था।

बहकावे में नहीं आएगी जनता - मोहन यादव

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की भोपाल में हुई किसान महाचौपाल पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की प्रतिक्रया का लेख।

देखें पेज - 4

आज का कार्टून

सालाना संबोधन में बोले अमेरिकी राष्ट्रपति... ईरान ने 32 हजार प्रदर्शनकारियों को मार डाला

ट्रंप का दावा... ऑपरेशन सिंदूर में मारे जाते पाक पीएम शहबाज शरीफ, मैंने उन्हें बचाया

फिर लिया भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने का क्रेडिट

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सनसनीखेज दावा किया है। 'स्टेट ऑफ द यूनियन' के संबोधन में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की जान उन्होंने ही बचाई है। वह ऑपरेशन सिंदूर में मारे जा सकते थे। इतना ही नहीं, ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने का क्रेडिट लिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अगर वह भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष में दखल नहीं देते तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौत हो जाती। उन्होंने सांसदों को सम्बोधित करते हुए कहा कि उनके दखल से भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाला न्यूक्लियर टकराव टल गया। ट्रंप ने कहा, 'अपने पहले 10 महीनों में मैंने आठ युद्ध खत्म किए। पाकिस्तान और भारत में न्यूक्लियर युद्ध होता तो साढ़े

तीन करोड़ लोगों की जान जाती। उनके एडमिनिस्ट्रेशन ने दोनों देशों को तनाव बढ़ाने से रोकने के लिए ट्रेड एग्रीमेंट और टैरिफ उपायों का इस्तेमाल किया। हालांकि, भारत ने उनके दावे को नहीं माना है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल का यह पहला 'स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन' है। इसमें डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक साल के कार्यकाल में हुए ऐतिहासिक बदलावों की तारीफ की। उन्होंने कांग्रेस में कई उपलब्धियां गिनाई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि उनके नेतृत्व के सिर्फ एक साल में अमेरिका ने 'बहुत बड़ा बदलाव' देखा है जैसा पहले कभी किसी ने नहीं देखा। उन्होंने कहा हम कभी भी उस स्थिति में वापस नहीं जाएंगे, जहां हम कुछ समय पहले थे। संयुक्त राज्य अमेरिका के संस्थापक आदर्शों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, '1776 से आज तक, हर पीढ़ी के अमेरिकियों ने जीवन, स्वतंत्रता और सुख की खोज की रक्षा के लिए कदम आगे बढ़ाया है. अब हमारी बारी है। जब मैंने दोबारा पद संभाला, तब देश संकट की स्थिति में था। उन्होंने अपनी सफलता का दावा करते हुए कहा कि अब अमेरिका पहले से कहीं ज्यादा मजबूत और समृद्ध हो चुका है। उन्होंने अपनी टैरिफ पॉलिसी का बचाव करते हुए दावा किया कि देश की अर्थव्यवस्था पहले कभी इतनी तेजी से नहीं बढ़ी।

अमेरिका को जंग में घसीटना चाहता है ईरान

ट्रम्प ने ईरान पर 32 हजार प्रदर्शनकारियों को मारने का आरोप लगाया और कहा कि वह अमेरिका को युद्ध में ले जाना चाहता है। ईरान में 28 दिसंबर से 14 जनवरी तक महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे। इस दौरान ट्रम्प ने ईरान को कार्रवाई की धमकी दी थी। ईरान ऐसी मिसाइल डेवलप कर रहा है जो अमेरिका तक पहुंच सकती हैं। ईरान यह यूरोप और हमारे विदेशों में मौजूद ठिकानों के लिए खतरा हैं और वे ऐसी मिसाइलें बनाने पर काम कर रहे हैं जो जल्द ही अमेरिका तक पहुंच जाएंगी। अमेरिका ने पिछले साल ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी पर हमला कर उसका न्यूक्लियर प्रोग्राम पूरी तरह खत्म कर दिया। ट्रम्प ने कहा कि वे पहले कूटनीति से समस्या सुलझाना चाहते थे, लेकिन ईरान ने यह वादा नहीं किया कि वह हथियार नहीं बनाएगा।

एपस्टीन से रिश्तों पर बोले बिल गेट्स

अपनी गलती की जिम्मेदारी लेता हूं

नईदिल्ली. एजेंसी

प्रमुख उद्योगपति और परोपकारी बिल गेट्स ने दिवंगत फाइनेंसर और यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से अपने संबंधों को लेकर सफाई दी है। गेट्स फाउंडेशन के एक टाउन हॉल कार्यक्रम में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि एपस्टीन से मिलना उनकी 'बहुत बड़ी गलती' थी। इस बात की जानकारी फाउंडेशन के प्रवक्ता ने साझा की।

नॉर्वे के पूर्व पीएम ने की आत्महत्या की कोशिश

ओस्लो। नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री थोरबजॉर्न जगलैंड कथित तौर पर सुसाइड की कोशिश के बाद हॉस्पिटल में भर्ती है। उन पर जेफरी एपस्टीन के साथ करप्शन के आरोप लगे थे। थोरबजॉर्न जगलैंड नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी के चेयरमैन भी रहे हैं। यह तब हुआ जब जगलैंड पर ऑफिशियली गंभीर करप्शन का आरोप लगाया गया था।

भोजशाला पर एएसआई की रिपोर्ट के बाद बोले वीएचपी अध्यक्ष

2034 तक बनेगा वाग्देवी का भव्य मंदिर

धार, एजेंसी

भोजशाला-कमल मौला मस्जिद परिसर में वाग्देवी मंदिर के निर्माण की मांग तेज हो गई है। वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा है कि 2034 तक कानूनी तरीके से भोजशाला में वाग्देवी मंदिर का निर्माण होगा। उन्होंने यह भी कहा कि लंदन के एक म्यूजियम में रखी वाग्देवी की मूर्ति को भारत वापस लाया जाएगा। यह मंदिर अयोध्या के राम मंदिर की तरह भव्य होगा। हाल ही में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की सार्वजनिक हुई रिपोर्ट के बाद लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में करीब डेढ़ सदी से रखी वाग्देवी की मूर्ति को वापस भारत लाने की मांग जोर पकड़ रही है। इसी के साथ भोजशाला-कमल मौला मस्जिद

परिसर में वाग्देवी मंदिर के निर्माण की मांग तेज हो गई है। वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा है कि 2034 तक कानूनी तरीके से भोजशाला में वाग्देवी मंदिर का निर्माण होगा। यह मंदिर अयोध्या के राम मंदिर की तरह भव्य होगा। रिपोर्ट के बाद स्थानीय स्टार पर भक्तों का कहना है कि यह उनके लिए गर्व का दिन है। फिलहाल, अदालत का फैसला आना बाकी है लेकिन परिसर की दीवारों पर उकेरी गई आकृतियों को लेकर हिंदू पक्ष के दावे मजबूत हुए हैं। लोग खंभों पर हनुमान, गणेश और शंख-घंटी की नक्काशी दिखाकर इसे प्राचीन मंदिर बता रहे हैं। परिसर का प्रबंधन एएसआई कर रहा है। मंदिर व मस्जिद के दावे आपस में टकराते रहते हैं। यह स्थल अब धार से कहीं आगे का प्रतीक बन गया है। परिसर में प्रवेश मेटल डिटेक्टर गेट से होता है। शाम को प्रार्थना के बाद परिसर 6 बजे बंद हो जाता है। श्रद्धालुओं और याचिकाकर्ताओं ने पीएम मोदी से अपील की है कि ब्रिटिश म्यूजियम में पिछले डेढ़ सौ सालों से रखी वाग्देवी की मूल प्रतिमा को कूटनीतिक रास्तों से भारत वापस लाया जाए।

आठवीं की किताब में अदालतों के भ्रष्टाचार का चैप्टर

इस मामले को मैं देखूंगा: चीफ जस्टिस

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आज एनसीईआरटी की कक्षा 8 की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार वाले चैप्टर पर गहरी चिंता जताई। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि उन्होंने इस पर संज्ञान लिया है और वे खुद से कार्रवाई शुरू कर सकते हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'कृपया कुछ दिन इंतजार कीजिए। बार और बेंच सभी परेशान हैं। सभी हाई कोर्ट के जज परेशान हैं। मैं इस मामले को खुद देखूंगा। मैं किसी को भी संस्था को बदनाम करने की इजाजत नहीं दूंगा। कानून अपना काम करेगा।'

सुप्रीम कोर्ट की यह प्रतिक्रिया तब आई है, जब वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मंगलवार को कोर्ट को बताया कि एनसीईआरटी क्लास 8 के छात्रों को 'ज्यूडिशियल करप्शन' के बारे में

पढ़ा रहा है और कहा कि यह बहुत चिंता की बात है। चीफ जस्टिस ने कहा, 'संस्था का मुखिया होने के नाते मैंने अपनी ड्यूटी निभाई है और मैंने इस पर ध्यान दिया है। यह एक सोचा-समझा कदम लगता है... मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। ' इसके अलावा, सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने भी आपत्ति जताई। सिंघवी ने कहा, 'सेलेक्टिविटी माय लॉर्ड। सेलेक्टिविटी... यह दूसरे एरिया में भी है, लेकिन ज्यूडिशियल करप्शन में नहीं।' इस पर जस्टिस बागची ने कहा, 'यह किताब बेसिक स्ट्रक्चर के ही खिलाफ लगती है। दरअसल, एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सोशल साइंस की नई किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' नाम से एक सेक्शन रखा गया है। जबकि पहले वाले एडिशन में ऐसा नहीं था, जिसमें ज्यादातर कोर्ट के स्ट्रक्चर और रोल पर फोकस किया गया था।

मेट्रो एंकर

पीआईएल की बाढ़ पर बिफरे चीफ जस्टिस, कहा - कुछ लोगों का यह एजेंडा बन गया है

सुबह अखबार पढ़ा और शाम तक लगा दी जनहित याचिका- सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली. एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने जनहित याचिकाओं की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के वक्त उन्होंने कहा कि आजकल कई लोगों का मकसद सिर्फ याचिका दाखिल करना रह गया है। ऐसा लगता है कि वे सुबह अखबार पढ़ते हैं और शाम तक कोर्ट में पीआईएल दाखिल कर देते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई ने कहा कि कुछ लोगों का यह एजेंडा बन गया है।

इससे पहले साल 2022 में भी सुप्रीम कोर्ट ने तेजी से बढ़ती याचिकाओं पर टिप्पणी की थी। तब अदालत ने कहा था कि इनमें से कई याचिकाओं का जनता की भलाई से कोई लेना-देना नहीं होता। ये या तो खुद के प्रचार के लिए होती हैं या निजी

फायदे के लिए। कोर्ट ने कहा था कि ऐसी फालतू याचिकाओं से अदालत का कीमती समय बर्बाद होता है। इस समय का इस्तेमाल जरूरी और गंभीर मुद्दों पर हो सकता था। कोर्ट ने यह भी कहा था कि ऐसी याचिकाओं को शुरू में ही खारिज कर देना चाहिए ताकि ताकि बड़े जनहित में होने वाले विकास कार्यों में रुकावट न आए।

फर्जी फैसलों का दिया जा रहा हवाला

कोर्ट ने यह टिप्पणी शिक्षाविद रूप रेखा वर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इस याचिका में नेताओं के भाषणों को लेकर नियम बनाने की मांग की गई थी। जस्टिस नागरत्ना ने बताया कि कई बार असली फैसलों के साथ फर्जी बातें जोड़ दी जाती हैं। इससे यह पता लगाना बहुत मुश्किल हो जाता है कि क्या सही है और क्या गलत। जस्टिस नागरत्ना ने बताया कि जस्टिस दीपांकर दत्ता की अदालत में भी ऐसे कई फर्जी फैसलों का हवाला दिया गया था। जजों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही से जजों पर काम का बोझ बेवजह बढ़ जाता है, क्योंकि उन्हें हर जानकारी की गहराई से जांच करनी पड़ती है।

एआई से जजों की बढ़ी मुश्किलें

सीजेआई सूर्यकांत ने वकीलों के याचिका लिखने के तरीके पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से तैयार की गई याचिकाओं पर नाराजगी जाहिर की। बेंच ने कहा कि यह देखना परेशान करने वाला है कि वकील याचिका का मसौदा बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह बिल्कुल गलत है। जजों ने बताया कि एआई से बनी याचिकाओं में ऐसे फैसलों का जिक्र किया जा रहा है जो कभी हुए ही नहीं। उदाहरण के लिए, हाल ही में मर्सी बनाम मैनकाइंड नाम के एक फैसले का हवाला दिया गया, जबकि ऐसा कोई केस कभी था ही नहीं।

पुराने हो चुके सतपुड़ा और विंध्याचल की जगह नया भवन

सेंट्रल विस्टा का डिजाइन फाइनल, एक हजार करोड़ रुपए से बनेगा स्टेट कैपिटल कांप्लेक्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नए सेंट्रल विस्टा (स्टेट कैपिटल कांप्लेक्स प्रोजेक्ट) का डिजाइन फाइनल हो गया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की बैठक में इस योजना के प्राथमिक स्वरूप पर सहमति दे दी गई है। बैठक में हाउसिंग बोर्ड को चार महीने यानी 30 जून के पहले इसकी डीपीआर फाइनल करने को कहा है। इसके तहत बोर्ड ने टेंडर के माध्यम से आर्किटेक्ट के रूप में फर्म मेसर्स सीपी कुकरेजा का चुनाव कर लिया है। प्रस्तावित नया प्रोजेक्ट लगभग एक हजार करोड़ रुपये का होगा।

33 विभागों ने मांगी जगह

जीएडी ने सभी सरकारी विभागों को पत्र लिखकर उनकी ऑफिस की जरूरतों और स्थानांतरण को लेकर जानकारी मांगी थी। जीएडी को 58 विभागों के 84 कार्यालयों से पत्र प्राप्त हुआ है। 33 विभाग के 59 कार्यालय सेंट्रल विस्टा में स्थानांतरण के इच्छुक हैं। इन विभागों ने कुल एक लाख तीन हजार वर्ग मीटर जगह मांगी है। बाकी छह कार्यालय रेनोवेशन व प्रस्तावित भवन के कारण सहमत नहीं है। 19 अन्य के अपने स्वतंत्र और पर्याप्त आफिस हैं।

हाईटेक होगा ऑफिस

सूत्रों के मुताबिक जिन भी ऑफिस में रेनोवेशन या निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है, वहां काम रोका जा सकता है। किसी को भी नई जमीन आवंटित नहीं होगी। सभी को सेंट्रल विस्टा में ही जगह दी जाएगी। इस प्रोजेक्ट में सभी आधुनिक तकनीक और सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कॉर्पोरेट की तरह यह हाईटेक आफिस होगा।

12 नये टावर बनाने का प्लान तैयार

पुराने हो चुके सतपुड़ा और विंध्याचल भवन की जगह नया सेंट्रल विस्टा बनेगा। पुराने दोनों भवनों का निर्मित क्षेत्रफल 76,500 वर्ग मीटर है। नये सेंट्रल विस्टा में लगभग दोगुना यानी 1.60 लाख वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्रफल होगा। नई योजना में 12 नये टावर बनाने की योजना है।

ग्रीन एरिया और पार्किंग पर विशेष फोकस

पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए हरित क्षेत्र को 5.84 हेक्टेयर से बढ़ाकर 22.46 हेक्टेयर (लगभग चार गुना) किया जा रहा है। साथ ही अगले 50 वर्षों की जरूरतों को देखते हुए विशाल पार्किंग बनाई जाएगी। आम जनता की सुविधा के लिए मेट्रो स्टेशन से कवर्ड पाथ-वे, हाकर्स कार्नर और सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था भी इस मास्टर प्लान का हिस्सा है।

साझा छत से बिजली व ठंडक

प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी विशेषता 12 टावरों को जोड़ने वाली एक साझा छत (परगोला) होगी। इससे न केवल परिसर का तापमान कम रहेगा, बल्कि बड़े पैमाने पर सोलर ऊर्जा भी पैदा की जाएगी। हालांकि, साधिकार समिति ने इस पर आने वाले अतिरिक्त खर्च का विवरण मांगा है।

सुविधा के लिए महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट

प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़ाने, विभागों के बीच बेहतर समन्वय और आम नागरिकों की सुविधा के लिए यह एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। मप्र शासन की मंशा के अनुरूप बोर्ड इस पर तेजी से काम कर रहा है।

पीएचक्यू करेगा सभी जिलों की प्रतिमाह ग्रेडिंग

अब महिला अपराध से जुड़े मामलों का होगा मूल्यांकन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

महिला अपराध से जुड़े मामलों के प्रभावी और समयबद्ध निपटारे को सुनिश्चित करने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने राज्य के सभी जिलों की प्रतिमाह ग्रेडिंग शुरू की है। इस नई व्यवस्था के तहत जिलों का मूल्यांकन तीन प्रमुख बिंदुओं पर किया जा रहा है–गुम बालिकाओं की तलाश, एफआईआर दर्ज होने के 60 दिन के भीतर न्यायालय में चालान प्रस्तुत करना (भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के अनुरूप) और न्यायालय द्वारा आदेशित पीड़िताओं को भरण-पोषण राशि दिलाने की स्थिति। मुख्यालय द्वारा तैयार की गई ग्रेडिंग रिपोर्ट संबंधित जिलों को नियमित रूप से भेजी जा रही है, ताकि वे अपने प्रदर्शन की समीक्षा कर आवश्यक सुधार कर सकें।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों को हरे रंग से और कमजोर प्रदर्शन करने वालों को लाल रंग से चिह्नित किया जाता है।

कमजोर प्रदर्शन पर सीधा संवाद

जिन जिलों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर पाया जाता है, वहां के पुलिस अधीक्षकों से सीधे संवाद कर सुधार के निर्देश दिए जाते हैं। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों का कहना है कि इस पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। गुम बालिकाओं की तलाश में तेजी आई है और लंबित मामलों के निराकरण की रफ्तार बढ़ी है। जिलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बना है, जिससे कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ी है। विशेष पुलिस महानिदेशक (महिला सुरक्षा) अनिल कुमार ने बताया कि फिलहाल तीन मापदंडों पर ग्रेडिंग की जा रही है, लेकिन भविष्य में अन्य गंभीर अपराधों को भी इसमें शामिल करने पर विचार किया जाएगा।

वारंट तामीली की पड़ताल

ग्रेडिंग में तीसरा कार्य यह है कि न्यायालय द्वारा जिन पीड़िताओं को भरण-पोषण देने के आदेश दिए गए हैं, उसमें यह देखना कि उन्हें मिल पा रहा है या नहीं। ऐसे हर एक मामले की पड़ताल की जाती है। भोपाल में ही एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें भरण-पोषण के आदेश के चार वर्ष बाद वारंट की तामीली ही नहीं हो पा रही थी, जिसे हल कराया गया है।

134 में से सिर्फ 53 का टेस्ट; कई मासूम फ्री बोन मैरो ट्रांसप्लांट के अवसर से वंचित

थैलेसीमिया शिविर में आधे से भी कम पहुंचे बच्चे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हर महीने खून चढ़वाते बच्चों की आंखों में एक ही सवाल होता है कि क्या कभी ऐसा दिन आएगा जब सुई, बोतल और अस्पताल की लाइन से छुटकारा मिलेगा। ये मासूम दर्द समझने से पहले ही थैलेसीमिया का नाम सीख जाते हैं। सरकार और विशेषज्ञों ने उन्हें फ्री HLA टेस्ट और बोन मैरो ट्रांसप्लांट का मौका दिया, लेकिन जिलों के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह अवसर अधूरा रह गया।

दरअसल, 15 जिलों से 134 बच्चों की सूची भेजी गई थी। शिविर में सिर्फ 53 बच्चे ही पहुंचे यानी आधे से भी कम। जिन बच्चों को जीवन बदलने वाला इलाज मिल सकता था, वे कागजों में दर्ज रह गए। अब सवाल यह है कि इस चूक की जिम्मेदारी कौन लेगा और छूटे हुए बच्चों तक यह सुविधा कब पहुंचेगी जबकि, जो 53 बच्चे कैंप में पहुंच उन सभी को फ्री ट्रांसप्लांट के लिए चयनित कर लिया है। आलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, खरगोन, उज्जैन, आगर मालवा, देवास, मंदसौर, नीमच, रतलाम

और श्योपुर समेत 15 जिलों के सीएमएचओ और सिविल सर्जन को थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को शिविर तक भेजने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। कैंप से पहले इन जिलों ने कुल 134 बच्चों की जानकारी साझा की थी। लेकिन 24 फरवरी 2026 को जब एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इंदौर में शिविर आयोजित हुआ तो सिर्फ 53 बच्चे ही पहुंचे। इनमें भी अधिकतर बच्चे इंदौर और उज्जैन संभाग से थे। स्थिति को गंभीर मानते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के वरिष्ठ अधिकारियों ने संबंधित जिलों के अधिकारियों से नाराजगी जताई है पूरे मामले की समीक्षा की बात कही है।

रिपोर्ट आने में समय लगेगा

यहां पात्र बच्चों का निःशुल्क HLA टेस्ट किया गया। गुरुग्राम के वरिष्ठ बीएमटी विशेषज्ञ डॉ. एसपी यादव और उनकी टीम ने बच्चों की जांच, परामर्श और सैंपल कलेक्शन किया। टेस्ट यह तय करता है कि मरीज और डोनर का बोन मैरो मैच होगा या नहीं। रिपोर्ट आने में 2-3 सप्ताह का समय लगेगा।

40 लाख का इलाज पूरी तरह मुफ्त

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इंदौर डॉ. माधव प्रसाद हासानी का कहना है कि जिन बच्चों का HLA मैच होगा, उनका बोन मैरो ट्रांसप्लांट पूरी तरह मुफ्त कराया जाएगा। एक ट्रांसप्लांट पर 35 से 40 लाख तक का खर्च आता है। यह खर्च सरकार और मेदांता फाउंडेशन वहन करेगा। निजी अस्पतालों में यही इलाज 15 से 30 लाख रुपए तक में होता है, जो अधिकांश परिवारों की पहुंच से बाहर है।

योजना के तहत लगा शिविर

शिविर थैलेसीमिया बाल सेवा योजना अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और मेदांता फाउंडेशन, गुरुग्राम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया। शिविर का शुभारंभ संभाग आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने किया।

4 मार्च को निकलेगा भव्य होली जुलूस

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में होली को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। हिंदू उत्सव समिति ने इस वर्ष निकलने वाले पारंपरिक होली जुलूस (धुलेंडी) की तिथि में बदलाव किया है। 3 मार्च को पड़ रहे चंद्रग्रहण से जुलूस 4 मार्च को निकाला जाएगा। समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर 4 मार्च को स्थानीय अवकाश घोषित करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि यह जुलूस शहर की वर्षों पुरानी सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है, जिसमें हजारों श्रद्धालु, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और आम नागरिक शामिल होते हैं। अवकाश घोषित होने से अधिक संख्या में लोग उत्सव में शामिल हो सकेंगे। समिति ने अपील की है कि होलिका दहन 2 और 3 मार्च की दरम्यानी रात ब्रह्म मुहूर्त में विधि-विधान से किया जाए।

स्टेट बार काउंसिल ने सात सदस्यीय समिति बनाई

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने को लेकर वकील करेंगे आंदोलन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने, वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कल्याणकारी मांगों को लेकर राजधानी में जल्द ही व्यापक आंदोलन होगा। यह निर्णय मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल की ओर से लिया गया है। आंदोलन के संचालन और समन्वय के लिए सात सदस्यीय समिति गठित की गई है।

स्टेट बार काउंसिल के चेयरमैन राधेलाल गुप्ता ने भोपाल के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रियनाथ पाठक को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं अधिवक्ता खालिद हफीज को मीडिया प्रभारी बनाया गया है। समिति में जिला बार एसोसिएशन के सह सचिव सोनल नायक सहित होशंगाबाद से मनोज जराठे और सुरेंद्र सिंह राजपूत, छतरपुर से अनिल द्विवेदी तथा जबलपुर से प्रशांत दुबे को सदस्य बनाया गया है। गठित समिति प्रस्तावित आंदोलन के सभी कार्यों का संचालन, समन्वय और व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेगी। समिति को आवश्यकतानुसार वालंटियर नियुक्त करने, प्रशासन से समन्वय स्थापित करने, सुरक्षा व्यवस्था और सभा प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई है। स्पष्ट किया गया है कि आंदोलन पूरी तरह लोकतांत्रिक और संवैधानिक दायरे में संचालित होगा। किसी भी अप्रिय स्थिति में समिति तत्काल निर्णय लेकर स्टेट बार काउंसिल को अवगत कराएगी। जरूरत पड़ने पर उप-समितियां भी गठित की जा सकेंगी। समिति अध्यक्ष प्रियनाथ पाठक ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं हुआ तो प्रदेशभर के डेढ़ लाख से अधिक वकील राजधानी भोपाल में एकत्र होकर आंदोलन को व्यापक स्वरूप देंगे।

ब्रीफ न्यूज

'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी' बनी कार्य संस्कृति

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने 'जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी' को अपनी कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाया है। सभी सबस्टेशनों एवं ट्रांसमिशन लाइनों पर मेंटेनेंस कार्य से पूर्व सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनिवार्य पालन सुनिश्चित किये जाने की पहल की गई है। मेंटेनेंस कार्य प्रारंभ करने से पहले संबंधित तकनीकी स्टाफ द्वारा सिंगल लाइन डायग्राम तैयार कर संभावित जोखिमों का आकलन किया जाता है। टीम को आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की जाती है। साथ ही 'पेप टॉक' के माध्यम से सुरक्षा मानकों, लाइव उपकरणों की स्थिति, कार्य क्षेत्र की संवेदनशीलता पर चर्चा होती है।

रानी कमलापति में आधुनिक लेथ मशीन शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय ने रानी कमलापति कोचिंग डिपो में नवनिर्मित अत्याधुनिक सीएनसी अंडर फ्लोर व्हील लेथ मशीन का शुभारंभ किया। इस मशीन का निर्माण एचवायटी इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड ने किया। इसकी कुल लागत 10.71 करोड़ रुपये है। इस तकनीक से कोच के पहियों की 'टायर टर्निंग' शुद्धता में वृद्धि होती है। इस सुविधा से डिपो में होने वाले प्राइमरी ट्रेनों के अनुरक्षण की गुणवत्ता सुधरेगी।

साइबर धोखाधड़ी रोकथाम पर सेमीनार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। दूरसंचार विभाग ने एलएनसीटी विश्व विद्यालय में साइबर जागरुकता तथा ईएमएफ विकिरण से जुड़े मिथकों की जानकारी देने व्याख्यान आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एलएसए के अपर महानिदेशक रामजी तिवारी ने की। सेमीनार में अधिकारियों ने संचार मित्र योजना, साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए ईएमएफ विकिरण संबंधी वैज्ञानिक तथ्यों पर जानकारी देते हुए प्रचलित भ्रांतियों का निराकरण किया।

5.98 लाख ने लिया सरचार्ज में छूट का लाभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 का अंतिम चरण 28 फरवरी तक लागू है। योजना में अब केवल 5 दिन शेष हैं। अभी तक कंपनी के 5 लाख 98 हजार 74 बकायादारों ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। कंपनी के खाते में 578 करोड़ 97 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 272 करोड़ 76 लाख रुपए का सरचार्ज माफ किया गया है।

होटल पर कार्रवाई से पहले मिले 20 लाख

बकायादारों पर कार्रवाई; 2 संपत्ति कुर्क

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नगर निगम प्रॉपर्टी टैक्स और जल कर राशि बकाया होने पर संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई कर रहा है। 2 संपत्ति कुर्क की गई। वहीं, एक होटल पर कार्रवाई से पहले ही संबंधित ने 20 लाख रुपए जमा करा दिए। इससे होटल पर कुर्की की कार्रवाई नहीं हुई। निगम के अमले ने वार्ड-80 के अल्टीमेट आर्केड निवासी तहसीन खान द्वारा संपत्तिकर की बकाया राशि 7 लाख 99 हजार 762 रुपए और अर्निंग पाईंट के टी-9 तृतीय तल के बकायादार प्रशांत शर्मा, विजेंद्र शर्मा, दीपेश मलिक, दीप विजय अरोड़ा व प्रशांत नायक पर एक लाख 30 हजार 472 रुपए बकाया होने पर कार्रवाई की। इन सभी की संपत्ति कुर्क की गई। जोन-19 के अंतर्गत वार्ड-84 में 11 मिल चौराहे पर होटल आमेर ग्रीन है। इस पर 28 लाख रुपए संपत्तिकर बकाया था। इस स्थिति में कुर्की की कार्रवाई के लिए अमला यहां पहुंचा, लेकिन इससे पहले ही 20 लाख रुपए जमा कर दिए गए। वहीं, बाकी 8 लाख रु राशि लोक अदालत में जमा करने का आश्वासन दिया गया। वहीं भोपाल के सभी 85 वार्डों में सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक जल सुनवाई हुई। इस दौरान कुल 23 नमूने परीक्षण के लिए लोगों ने दिए। इन्हें 8 लैब में भेजा गया है, ताकि पानी की जांच हो सके।

आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मियों का प्रदर्शन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के शासकीय अस्पतालों में सेवाएं दे रहे लगभग 30 हजार आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी प्रदर्शन किया। मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आह्वान पर बड़ी संख्या में कर्मचारी जेपी परिसर में जुटें और न्याय यात्रा निकाली। संघ ने साफ चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो प्रदेशव्यापी हड़ताल आगे भी जारी रखेंगे। बुधवार से शुरू हुए हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं व्यापक रूप से प्रभावित हो सकती हैं। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारी अपनी 9 सूत्रीय मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। संघ के अनुसार, मंगलवार रात को ही कई कर्मचारी प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से भोपाल के लिए बस, ट्रेन व किराए के वाहन से निकल गए थे। संघ के अनुसार प्रदेश के जिला अस्पताल, सिविल हॉस्पिटल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, संजीवनी क्लिनिक और पोषण पुनर्वास केंद्रों सहित विभिन्न इकाइयों में 30 हजार से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी कार्यरत हैं।

मेट्रो एंकर | मैनिट ने ग्रीन कैंपस की दिशा में की नई पहल

सीईओ ने कहा... छात्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ेगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) ने ग्रीन कैंपस की दिशा में एक नई पहल शुरू की गई है। संस्थान ने आधिकारिक रूप से ई-साइकिल सेवा लॉन्च की, जिसका उद्देश्य कैंपस के अंदर आसान, सस्ती और पर्यावरण के अनुकूल आवाजाही उपलब्ध कराना है। लॉन्च कार्यक्रम में ई-साइकिलों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर डीन, हेड्स ऑफ डिपार्टमेंट्स के साथ-साथ स्टूडेंट्स और स्टाफ मेंबर्स ने खुद साइकिल चलाकर इसकी शुरुआत की।

स्मार्ट सिटी के लक्ष्य से जुड़ी पहल: फ्लैग-ऑफ सेरेमनी में चीफ गेस्ट के तौर पर भोपाल स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड की सीईओ अंजू अरुण कुमार मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि यह पहल शहर के सस्टेनेबल विकास के लक्ष्य से जुड़ी है। ई-साइकिल से कार्बन उत्सर्जन कम होगा और युवाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। यह पहल दूसरे संस्थानों के लिए भी प्रेरणादायक है।

गाड़ियों पर डिपेंडेंसी कम करने की कोशिश: मैनिट के डायरेक्टर प्रो. करुणेश कुमार शुक्ला ने बताया कि ई-साइकिल सेवा से कैंपस में सामान्य वाहनों की संख्या कम होगी। इससे शोर और प्रदूषण घटेगा और परिसर अधिक शांत व स्वच्छ बनेगा। उन्होंने कहा कि मैनिट भविष्य में भी ग्रीन एनर्जी और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी पहलें जारी रखेगा। कार्यक्रम में डीन, विभागाध्यक्ष, छात्र और कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अब इस बड़े परिसर में छात्र, शिक्षक और कर्मचारी ई-साइकिल के जरिए कम समय में एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंच सकेंगे।

छात्रों की भागीदारी से बना प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट में संस्थान के छात्रों की अहम भूमिका रही। विद्यार्थियों ने साइकिलों की तकनीकी तैयारी, बैटरी सिस्टम और रखरखाव की योजना में सहयोग किया। उनका कहना है कि वे कैंपस के लिए ऐसा साधन देना चाहते थे, जो सस्ता हो और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाए। एक युवा फैकल्टी सदस्य ने भी इस प्रयास की सराहना की।

ग्रामीण डाक सेवक देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की है नींव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नागरिकों के हित में भारतीय डाक व्यवस्था ने अपनी सार्थक भूमिका सिद्ध की है। ब्रिटिश काल से प्रारंभ व्यवस्थाओं को नया स्वरूप मिलता गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डाक व्यवस्था में निर्णायक परिवर्तन आये हैं और डाक विभाग की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाने की ठोस पहल हुई है। एक समय सिर्फ चिट्ठियां पहुंचाने वाला विभाग अब बाबा महाकाल के प्रसाद के वितरण के लिए नई पोस्टल सेवा लागू करने तक अपनी यात्रा तय कर चुका है। डाक घरों के माध्यम से नागरिकों को बीमा योजनाओं, बचत योजनाओं का लाभ मिल रहा है। खाते प्रारंभ करने से लेकर तीव्र गति से स्पीड पोस्ट और अन्य माध्यमों से ग्राहकों को लाभान्वित किया जा रहा है। ग्रामीण डाक सेवक भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में शिप्रा नदी किनारे स्थित कार्तिक मेला ग्राउंड में आयोजित ग्रामीण डाक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की।

हॉस्पिटलों में मरीजों को लंबी कतारें और अधूरा इलाज

भोपाल के सरकारी अस्पतालों में 23 प्रतिशत डॉक्टरों के पद खाली, स्किन विशेषज्ञ का अभाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था का एक चिंताजनक सच सामने आया है। जिला स्वास्थ्य विभाग के तहत संचालित अस्पतालों में 23 फीसदी डॉक्टरों के पद खाली हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि आज तक एक भी स्किन स्पेशलिस्ट की नियुक्ति नहीं हो सकी। नतीजा यह है कि चर्म रोग से पीड़ित मरीजों को या तो अन्य विशेषज्ञों से इलाज कराना पड़ रहा है या फिर एम्स और हमीदिया जैसे बड़े अस्पतालों की लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ता है। विधानसभा 2026 के प्रश्नोत्तर में यह स्थिति उजागर हुई है।

इस मामले में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि रिक्त पदों की पूर्ति एक निरंतर प्रक्रिया है और निश्चित समय सीमा बताना संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि हेल्थ सेंटर्स पर उपकरण, पैथोलॉजी लैब और दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था है।

भोपाल में हर साल स्किन से जुड़ी बीमारियों के 70 हजार से अधिक मरीज इलाज के लिए आते हैं। ये आंकड़े हमीदिया अस्पताल और एम्स भोपाल के हैं। इसके बावजूद जिला स्वास्थ्य विभाग के अधीन किसी भी अस्पताल में चर्म रोग विशेषज्ञ नहीं है। साल 2025 में राज्य स्तरीय मानक के तहत जेपी अस्पताल में एक स्किन स्पेशलिस्ट का पद स्वीकृत किया गया, लेकिन अब तक नियुक्ति नहीं हुई। वर्तमान में मरीजों का इलाज मेडिसिन विशेषज्ञ या मेडिकल ऑफिसर कर रहे हैं।विशेषज्ञों के अनुसार, गलत या अधूरा इलाज होने से रोग लंबे समय तक बना रहता है और कई बार दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाती है। इससे इलाज और कठिन हो जाता है।

जेपी अस्पताल-17 विशेषज्ञों के पद खाली

राजधानी के प्रमुख जिला अस्पताल जेपी अस्पताल में हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक हैं। यहां 17 विशेषज्ञों के पद खाली हैं। पूरे अस्पताल का संचालन करने वाला सिविल सर्जन का पद भी खाली है। फिलहाल डॉ. संजय जैन को प्रभार दिया गया है। डॉ. जैन ही ईको जांच करते हैं। सिविल सर्जन का अतिरिक्त दायित्व मिलने के बाद ईको जांच कक्ष अक्सर बंद रहता है। कैलाशनाथ काटजू जच्चा-बच्चा अस्पताल में भी स्थिति बेहतर नहीं है। यहां मेडिसिन विशेषज्ञ के दोनों पद खाली हैं। एनएचएम के पूर्व संचाकल डॉ. पंकज शुक्ला के अनुसार, नवजात और गर्भवती महिलाओं के लिए बने इस अस्पताल में हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाएं भी आती हैं। जिनके इलाज के लिए मेडिसिन स्पेशिलिस्ट का होना बेहद जरूरी है।

बैरासिया: 6 साल से मेडिसिन विशेषज्ञ नहीं | सिविल अस्पताल बैरासिया में मई 2020 से मेडिसिन विशेषज्ञ का पद खाली है। 2023 में सर्जरी और एनेस्थीसिया विशेषज्ञ के पद खाली हुए, जो अब तक नहीं भरे गए। 2024 में अस्थी रोग विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, ईएनटी विशेषज्ञ और 4 मेडिकल ऑफिसर के पद भी खाली हो गए। छह साल से विशेषज्ञ न होना ग्रामीण मरीजों के लिए बड़ी परेशानी है।

गोविंदपुरा और बैरागढ़ की स्थिति | सिविल अस्पताल गोविंदपुरा में 2024 से अधीक्षक का पद खाली है। संचालन व्यवस्था प्रभावित है। यहां स्त्री रोग, मेडिसिन, सर्जरी, ऑर्थोपैडिक, रेडियोलॉजिस्ट और पैथोलॉजिस्ट समेत 2 मेडिकल ऑफिसर के पद खाली हैं। सिविल अस्पताल बैरागढ़ में स्त्री रोग और अस्थी रोग विशेषज्ञ के पद खाली हैं, जिससे हड्डी रोगियों को अन्य अस्पतालों का रुख करना पड़ता है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी खाली

- **कोलार स्वास्थ्य केंद्र:** 2021 से मेडिसिन विशेषज्ञ का पद खाली।
- **बरखेड़ा पठानी डिस्पेंसरी:** 1 मेडिकल ऑफिसर का पद खाली।
- **रातीबड़ PHC:** 17 जनवरी 2025 से मेडिसिन, स्त्री रोग और सर्जरी विशेषज्ञ के पद खाली।
- **धर्मरा PHC:** 2 मेडिकल ऑफिसर के पद खाली।
- **नजीराबाद PHC:** 1 मेडिकल ऑफिसर का पद खाली।
- **सोहाया PHC:** दो मेडिकल ऑफिसर के पद, दोनों खाली। 8 जनवरी 2025 को 3 करोड़ से बने नए भवन का लोकार्पण हुआ, लेकिन डॉक्टर नहीं हैं।

विशेषज्ञों की कमी से मरीजों को यह परेशानी

सही निदान में देरी
रेफरल बढ़ना
लंबी कतारें
निजी अस्पतालों पर निर्भरता
इलाज का खर्च बढ़ना

आठ रुपये में कैसे दूर होगा कुपोषण?

मप्र में आठ साल से नहीं बढ़ी दरें 33% बच्चों का वजन बेहद कम

पोषण बजट में नहीं बढ़ोतरी, 19% बच्चे दुबलेपन के शिकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कुपोषण से जंग जारी है। फिर भी प्रदेश में अब भी 33 प्रतिशत बच्चे कम वजन तथा 19 प्रतिशत बच्चे दुबलापन की कुपोषण की श्रेणी में हैं। आंगनबाड़ियों में दर्ज बच्चों के पूरक पोषण आहार के लिए पिछले आठ वर्षों से केंद्र सरकार ने राशि नहीं बढ़ाई है। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से सामान्य पोषण स्तर श्रेणी के बच्चों को पूरक पोषण आहार के लिए अब भी आठ रुपये प्रति दिन प्रति हितग्राही तथा अति गंभीर कुपोषित बच्चों के लिए 12 रुपये प्रति दिन प्रति हितग्राही के मान से दिया जा रहा है।

विधानसभा में गूंजा पोषण आहार की राशि का मुद्दा

पूरक पोषण आहार की दर का निर्धारण भारत सरकार द्वारा किया जाता है। पिछली बार वर्ष 2017 में पूरक पोषण आहार की दर में वृद्धि की गई थी। ये जानकारी विधानसभा में चुरहट विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक अजय सिंह के सवाल के जवाब में सरकार ने दिया है। अजय सिंह ने पूछा था कि प्रदेश के आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और उन्हें कुपोषण से बचाने के लिए सामान्य या कुपोषित होने पर पिछले दस वर्ष से कोई बढ़ोत्तरी नहीं की गई है? क्या सरकार इस राशि को बढ़ाकर कम से कम दो गुना करने पर विचार करेगी?

सरकार का जवाब - राशि बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं

सवाल के लिखित जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से सामान्य पोषण स्तर श्रेणी के बच्चों को प्रदाय किए जाने वाले पूरक पोषण आहार की दर का निर्धारण भारत सरकार द्वारा किया जाता है। राज्य सरकार स्तर पर पूरक पोषण आहार की राशि वृद्धि करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

प्रदेश में ऐसा है कुपोषण का स्तर

इधर कुपोषण से स्तर से जुड़े कांग्रेस नेता हेमंत कटारे के सवाल के जवाब में महिला विकास मंत्री ने लिखित जवाब में बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 अनुसार प्रदेश में 35.7 प्रतिशत बच्चे ठिगनापन, 33 प्रतिशत बच्चे कम वजन तथा 19 प्रतिशत बच्चे दुबलापन की कुपोषण की श्रेणी में हैं। हालांकि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-4 की तुलना में ठिगनापन में 1.6 प्रतिशत, कम वजन में 2.3 प्रतिशत तथा दुबलेपन में 2.6 प्रतिशत सुधार परिलक्षित हुआ है।

इंदौर में भिक्षावृत्ति छोड़कर स्कूल पहुंचे 40 बच्चे

दस्तावेजों के अभाव में शिक्षा से वंचितों को मिला प्रवेश

इंदौर, दोपहर मेट्रो

भिक्षा नहीं, शिक्षा लो के संदेश को धरातल पर उतारते हुए इंदौर में 40 बच्चों को स्कूल में सीधा प्रवेश दिलाया गया। जिला प्रशासन की अनूठी पहल के तहत शहर में भिक्षावृत्ति करने वाले परिवारों के बच्चों को स्कूल की राह मिली है, ये बच्चे इससे पहले कभी विद्यालय नहीं जा पाए थे। स्कूल से दूर रहने के कारण गलत आदतों में जाने का अंदेशा था, इसलिए प्रशासन ने सभी को स्कूल में प्रवेश दिलाया। इंदौर में भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के तहत भिक्षुकों का रेस्क्यू कर पुनर्वास किया जा रहा है। साथ ही भिक्षावृत्ति करने वाले परिवारों के बच्चों को स्कूल में प्रवेश दिलाया जा रहा है। इसी तरह की पहल के तहत चंदन नगर क्षेत्र की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले 40 बच्चों को सुदामा नगर स्थित अत्री देवी प्राथमिक शाला में प्रवेश दिलाया गया है। मंगलवार को ये सभी बच्चे कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। यहां पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने बच्चों को चॉकलेट वितरण करने के साथ ही बच्चों को सभी जरूरी सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान लगातार जारी रहेगा। वहीं बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने की पहल भी जारी रहेगी, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

अब तक 172 बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा गया

पहले 172 बच्चों को दिलाया प्रवेश। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के दौरान 1600 से अधिक भिक्षुकों का रेस्क्यू किया गया है। भिक्षावृत्ति अभियान के नोडल अधिकारी दिनेश मिश्रा का कहना है कि पहले भी अहीर खेड़ी, रोबोट स्क्वेयर, पिपलिहाना और कांकड़ क्षेत्रों के 172 बच्चों को भी स्कूल में प्रवेश दिलाया जा चुका है।

दस्तावेजों के अभाव और बाल श्रम की बाधा हुई दूर- बच्चों के पास नहीं थे दस्तावेज। रेस्क्यू के बाद भिक्षुकों की काउंसलिंग में सामने आया कि उनके बच्चे भी स्कूल नहीं जाते हैं। बच्चों के पास किसी तरह के दस्तावेज नहीं हैं। दस्तावेजों के अभाव, बाल श्रम और भिक्षावृत्ति के कारण ये बच्चे स्कूल से दूर थे। जिला प्रशासन ने इन बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए स्कूल में प्रवेश दिलाया। कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा बच्चों के यूनिफॉर्म, स्कूल बैग और पुस्तकों की व्यवस्था कराई गई।

राजय निर्वाचन आयोग की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में पहल को राष्ट्रीय स्तर मिली सराहना

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित राज्यों के गोलमेज सम्मेलन में सहभागिता के लिए मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग की टीम नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम् पहुँची। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव के नेतृत्व में दल में विधि सलाहकार डॉ. प्रदीप शुक्ला तथा तकनीकी सलाहकार श्री राकेश शुक्ला शामिल रहे। सम्मेलन में मध्यप्रदेश द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया में किए गए नवाचारों, डिजिटल पहलों तथा पारदर्शिता और सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए प्रभावी कदमों को विस्तार से प्रस्तुत किया गया। टीम ने बताया कि किस प्रकार तकनीकी एकीकरण और सुव्यवस्थित प्रबंधन के माध्यम से निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, दक्ष और जवाबदेह बनाया जा रहा है। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग, प्रक्रियाओं के सरलीकरण तथा व्यवस्थागत सुधारों के माध्यम से निर्वाचन प्रणाली को सुदृढ़ करने के अपने प्रयासों को साझा किया। यह सहभागिता राज्य निर्वाचन आयोग की नवाचार, सुशासन और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है तथा राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की सक्रिय भूमिका को रेखांकित करती है।

प्रदेश में घाटे में चल रहे 9 सरकारी कृषि फार्म

रीवा में 26.91 लाख खेती पर खर्च, आय हुई 1.52 लाख; वजह- मौसम आधारित खेती

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में खेती को लाभ का धंधा बताने वाली सरकार अपने ही कृषि फार्म में घाटे से उबर नहीं पा रही है। प्रदेश भर में मौजूद 46 कृषि फार्म में से 9 घाटे में हैं। सरकार मानती है कि इन कृषि फार्म से होने वाली घाटे की वजह मौसम आधारित खेती और मौसम की प्रतिकूलता है। कृषि फार्मों में प्राकृतिक और मानव संसाधन की कमी का भी असर घाटे की वजह है। किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग के मंत्री एदल सिंह कंसाना ने यह जानकारी एक सवाल के जवाब में दी है। उन्होंने कहा है कि खेती करने में उपयोग में आने वाले बीज और अन्य सामान का बाजार मूल्य काफी अधिक होना भी खेती से होने वाले फायदे पर असर डालता है। घाटे में चलने वाले फार्म की स्थिति का अंदाजा इससे लगता है कि रीवा जिले के जितनी फार्म में वर्ष 2024-25 में 26 लाख 91 हजार रुपए खेती पर खर्च किए गए और आमदनी सिर्फ 1 लाख 52 हजार रुपए की हुई। भोपाल जिले के चाचेड़ फार्म में 42.50 लाख रुपए खेती पर खर्च किए गए और उससे आमदनी सिर्फ 17.85 लाख रुपए की हुई। ऐसी ही स्थिति अन्य फार्म हाउस के मामले में है। एमपी में घाटे में चलने वाले 9 कृषि फार्म पर पांच साल में 8 करोड़ 99 लाख 86 हजार रुपए खर्च किए गए।

इन जिलों में मौजूद हैं कृषि फार्म

प्रदेश में रीवा जिले में तिजनी, फरहदी, सतना जिले में गहवरा, सीधी में समदा, शहडोल में बिरहुलिया, शहरगढ़, उमरिया में मानपुर, दमोह में जबेरा में शासकीय कृषि फार्म है। यहां शासन की ओर से खेती कराई जाती है। इसी तरह छतरपुर जिले में नौगांव, पन्ना में भैंसवाही, अजयगढ़, जबलपुर में नादघाट, सिवनी में भौमाकटिया, छिंदवाड़ा में देताखारी, मंडला में चिरईडोंगरी, नरसिंहपुर में नरसिंहपुर और बोहानी में सरकारी कृषि फार्म मौजूद हैं। इनके अलावा बालाघाट जिले में पिपरझिरी, किन्ही, गढ़ी और बारासिवनी, डिंडोरी में डिंडोरी, देवास में चंद्रकेशर, शाजापुर में गिरवर, रतलाम में पचेड, नीमच में महागढ़, ग्वालियर में महुआखेड़ा, आंतरी में कृषि प्रक्षेत्र हैं। इनका उपयोग कृषि विभाग द्वारा किया जाता है। शिवपुरी जिले में गजोरा, रन्नौद, भिंड में गोहद, मुरैना में जौरा, अलीराजपुर में जोबट, अलीराजपुर, धार में नौगांव, खरगोन में भीकनगांव, सतराठी में भी कृषि फार्म हैं। भोपाल जिले में फंदा, चाचेड, सीहोर में रेहटी, रायसेन में अनोरी बेरखेड़ी, सिलवानी, राजगढ़ में सारंगपुर, बैतूल में गुदगांव, हरदा में पानतलाई, नर्मदापुरम में पवारखेड़ा में कृषि फार्म संचालित हैं।

मेट्रो एंकर | दादा ने अंग्रेजों को दिया था 35 हजार का कर्ज

109 साल बाद अब पोता ब्याज सहित करेगा वसूली

सीहोर, दोपहर मेट्रो

इतिहास के पन्नों से निकलकर एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने शहर के पुराने रईसों की ठाठ और उनके रसूख की यादें ताजा कर दी हैं। सीहोर के मशहूर व्यवसायी रहे सेठ जुम्मा लाल रूठिया के परिवार ने अब 109 साल पुराने एक कर्ज को लेकर ब्रिटिश क्राउन (ब्रिटेन सरकार) को लीगल नोटिस भेजने की तैयारी कर ली है। यह कर्ज प्रथम विश्व युद्ध के दौर में साल 1917 में ब्रिटिश हुकूमत को दिया गया था।

नवाब के बाद रियासत के दूसरे सबसे अमीर शख्स- दस्तावेजों के अनुसार सेठ जुम्मा लाल रूठिया उस दौर में भोपाल रियासत की नवाब सुल्तान जहां बेगम के बाद अमीरों की सूची में दूसरे स्थान पर आते थे। उनकी आर्थिक संपन्नता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब ब्रिटिश सरकार को धन की आवश्यकता हुई, तो उन्होंने सेठ जुम्मा लाल से 35 हजार रुपए का कर्ज लिया था। बड़ी बात यह है कि उस समय के 35 हजार रुपए की कीमत आज के बाजार मूल्य के हिसाब से एक करोड़ रुपए से भी अधिक आंकी जा रही है।

सेठ जुम्मा लाल के पोते विवेक रूठिया ने बताया कि उनके दादा का निधन कर्ज देने के 20 साल बाद 1937 में हो गया था। इसके बाद उनके पिता सेठ मानकचंद्र रूठिया को वसीयत में वे मूल दस्तावेज मिले, जिनमें ब्रिटिश हुकूमत के साथ हुए इस लेनदेन की पूरी लिखा-पढ़ी दर्ज थी। विवेक रूठिया अब इन्हीं कानूनी दस्तावेजों के आधार पर ब्रिटेन सरकार से अपने पूर्वजों का बकाया वसूलने की विधिक प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं।

संपत्तियों का विशाल साम्राज्य और कानूनी लड़ाई

सीहोर के अलावा इंदौर और भोपाल में भी परिवार की बेशुमार प्रापर्टीज दर्ज हैं। कई कीमती जमीनों पर दूसरों का कब्जा है, जिनके खिलाफ कानूनी लड़ाई जारी है। कुछ संपत्तियों पर लोग आज भी महज 100 से 500 रुपए के पुराने किराए पर रह रहे हैं। इस मामले में कानूनी पेचीदगियों को लेकर जानकारों की राय बंटी हुई है। एडवोकेट जीके उपाध्याय का कहना है कि लिखा-पढ़ी के आधार पर ब्रिटिश क्राउन को नोटिस तो भेजा जा सकता है, लेकिन सफलता एग्रीमेंट की शर्तों पर निर्भर करेगी। किसी भी कर्ज में टाइम लिमिट अहम होती है। यदि एग्रीमेंट में समय सीमा के बाद की शर्तें स्पष्ट हैं, तो मामला मजबूत हो सकता है।

मौजूद है लिखापट्टी

- ऐतिहासिक कर्ज - 1917 में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार को दिया गया था उधार।
- दस्तावेजी सबूत - विवेक रूठिया के पास कर्ज के लेन-देन की मूल लिखा-पढ़ी मौजूद।
- करोड़ों की वैल्यू - तत्कालीन 35 हजार रुपए आज एक करोड़ से ज्यादा के बराबर।
- विशाल साम्राज्य - सीहोर की करीब आधी जमीन के मालिक रहा है यह परिवार।

बच्चों की सुरक्षा सम्मिलित जिम्मेदारी

यह तथ्य हर कोई जानता है कि आज के बच्चे आने वाले कल का सुंदर भविष्य हैं और इन्हीं के मजबूत वर्तमान के दम पर हम एक शानदार भारत की तस्वीर देखते हैं। लेकिन अहम बात यह है कि इन्हीं बच्चों की सुरक्षा हम सबकी बहुत बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। घर-परिवार-समाज में बच्चों को ज्यादा से ज्यादा महत्व दिया जा रहा है. बच्चों को शिक्षा और सुविधाओं के मामले में न केवल दिल्ली सरकार बल्कि राज्य सरकारें भी बहुत कुछ कर रही हैं. लेकिन मुश्किल उस समय आती है जब बड़ी संख्या में बच्चों के लापता होने की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल होने लगती है। पिछले दिनों दिल्ली पुलिस ने बाकायदा एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित करके लोगों को वायरल हो रही खबरों से सावधान रहने की अपील करते हुए तथ्य भी प्रस्तुत किया। फैक्ट चेक यही है कि चुनौतियां गंभीर हैं और अपने बच्चों पर हमें खुद नजर रखनी होगी और उनकी सुरक्षा खुद करनी होगी।

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि बच्चों के लापता केस में कहीं कोई नेटवर्क तो नहीं? यह सच है कि दिल्ली में लापता बच्चों की समस्या एक गंभीर और संवेदनशील सामाजिक मुद्दा है. देश की राजधानी होने के कारण दिल्ली में हर वर्ष बड़ी संख्या में बच्चों के गुम होने की घटनाएं दर्ज की जाती हैं. पुलिस की जिम्मेदारी बढ़ रही है और वह बहुत कुछ कर भी रही है. देखा जाए तो लापता बच्चों के मामलों के पीछे कई कारण होते हैं. इनमें मानव तस्करी, बाल श्रम, भीख मंगवाने वाले गिरोह, घरेलू हिंसा, पारिवारिक कलह, गरीबी और सोशल मीडिया के माध्यम से फुसलाकर ले जाना शामिल है। बच्चों को नौकरी, मॉडलिंग या बेहतर जीवन का झांसा देकर दिल्ली जैसे महानगरों में लाया जाता है और फिर उनका शोषण किया जाता है। कुछ बच्चे घर में डांट-फटकार या अत्यधिक दबाव के कारण स्वयं भी घर छोड़ देते हैं। इसलिए पारिवारिक वातावरण प्रेम से भरपूर होना चाहिए. बहरहाल दिल्ली पुलिस ने लापता बच्चों को खोजने के लिए कई विशेष अभियान चलाए हैं। 'ऑपरेशन मुस्कान' और 'ऑपरेशन मिलाप' जैसे अभियानों के माध्यम से हजारों बच्चों को खोजकर उनके परिवारों से मिलाया गया है। पुलिस द्वारा विशेष किशोर इकाइयों बनाई गई हैं जो केवल बच्चों से संबंधित मामलों पर काम करती हैं। इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई है क्योंकि ये स्थान बच्चों के गायब होने के प्रमुख केंद्र माने जाते हैं। हमें यह मानना होगा कि लापता बच्चों की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है. जब तक सरकार, पुलिस, परिवार और समाज मिलकर प्रयास नहीं करेंगे, तब तक इस गंभीर समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं है।

अमेरिका से ट्रेड डील सिर्फ व्यापारिक समझौता नहीं, भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश

भारत-अमेरिका ट्रेड डील केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। यह समझौता मध्यप्रदेश सहित देश भर के किसानों, युवाओं और उद्यमियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा। कांग्रेस ने वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश में किसान कर्जमाफी का वादा कर सरकार बनाई, लेकिन किसानों का कर्ज पूर्ण रूप से माफ नहीं किया। इसके विपरीत, अनेक किसानों को डिफॉल्टर की स्थिति में पहुंचा दिया गया। भाजपा सरकार ने किसानों को उस स्थिति से बाहर निकालने का कार्य किया है।

किसान चौपाल करने वाले राहुल गांधी बताएं दलहन में कौन सी फसलें होती हैं। कांग्रेस ने किसानों के साथ अन्याय किया, हमारी सरकार 365 दिन किसानों के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को ट्रेड डील का विरोध करने के बजाय मध्यप्रदेश के किसानों से कर्जमाफी के नाम पर किए गए वादाखिलाफी के लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ट्रेड डील का विरोध कर रही है।

वर्ष 1956 में मध्यप्रदेश के गठन के बाद से लेकर 2002-03 तक, जब राज्य में कांग्रेस की सरकारें रहीं, तब सिंचाई का रकबा मात्र 7.5 लाख हेक्टेयर तक सीमित रहा, जबकि नदियाँ, खेत और संसाधन सब उपलब्ध थे। किसानों के साथ हुए इस अन्याय का परिणाम था कि कृषि विकास ठहरा रहा। इसके विपरीत पिछले वर्षों में हमारी सरकार ने सिंचाई क्षेत्र में ऐतिहासिक विस्तार किया है और अल्प अवधि में ही 10 लाख हेक्टेयर की वृद्धि कर यह सिद्ध किया है कि प्रतिबद्धता और नीति स्पष्ट हो तो परिणाम संभव हैं। आज भारत, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरी आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है, यह सब किसान, गरीब और सभी वर्गों के कल्याण को केंद्र में रखकर लिए गए निर्णयों का परिणाम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा हमारी सरकार ने लगभग सत्रह विभागों को जोड़कर 'किसान कल्याण वर्ष' के अंतर्गत खेती को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। खेत से कारखाने तक, फसल से बागवानी तक और बागवानी से बाजार तक एक सशक्त वैल्यू चेन तैयार कर किसानों की आय बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। हम पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर कृषि आधारित व्यापक चर्चा के लिए भी तैयार हैं, क्योंकि हमारा लक्ष्य राजनीति नहीं, बल्कि किसान और प्रदेश की समृद्धि है। आज ही मध्यप्रदेश सरकार की मंत्रि-परिषद् की बैठक सम्पन्न हुई। किसान कल्याण वर्ष का किसानों को अधिकतम लाभ दिलाने के लिए मंत्रि-परिषद् ने किसानों एवं कृषि से सम्बद्ध क्षेत्रों के विकास के लिए करीब 10500 करोड़ रुपये की लागत के पांच किसान हितैषी योजनाओं को अगले पांच साल तक निरंतर रखने को मंजूरी दी। उन्होंने बताया कि अब यह पांच योजनाएं 31 मार्च 2031 तक जारी रहेंगी और इसका सर्वाधिक लाभ मध्यप्रदेश के किसानों को मिलेगा।

मध्यप्रदेश ने कृषि उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए देश के प्रमुख उत्पादक राज्यों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज की है। केंद्र सरकार द्वारा जारी आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार राज्य खाद्यान्न, दलहन तथ तिलहन फसलों के उत्पादन में शीर्ष तीन राज्यों में शामिल रहा है। मध्यप्रदेश ने कुल खाद्यान्न उत्पादन में 46.63 मिलियन टन उत्पादन के साथ देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया, जो राष्ट्रीय उत्पादन का लगभग 13.04 प्रतिशत है। राज्य कुल दलहन फसल उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर हैं। तिलहन फसलों के उत्पादन में देश में दूसरा स्थान हासिल किया। राज्य सरकार द्वारा कृषकों की आय को बढ़ाने एवं उनके समग्र कल्याण के उद्देश्य से वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है।

हमारा मध्यप्रदेश 24.51 मिलियन टन गेहूं उत्पादन कर लगभग 20.78 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ देश में दूसरा स्थान हासिल किया। राज्य मक्का उत्पादन में भी अग्रणी रहा, 6.64 मिलियन टन उत्पादन के साथ मध्यप्रदेश का राष्ट्रीय हिस्सेदारी में लगभग 15.30 प्रतिशत योगदान रहा, जिससे यह देश का प्रमुख उत्पादक राज्य बना। मोटे अनाज (न्यूट्री/कोर्स सीरियल्स) के उत्पादन में भी राज्य ने 7.78 मिलियन टन उत्पादन करते हुए लगभग 12.17 प्रतिशत हिस्सेदारी दर्ज की और देश में तृतीय स्थान हासिल किया।

दलहन उत्पादन शीर्ष स्थान बरक़रार: दलहन क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल दलहन उत्पादन में 5.24 मिलियन टन उत्पादन किया और 20.40 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ देश में पहला स्थान प्राप्त किया। चना उत्पादन में राज्य 2.11 मिलियन टन उत्पादन और लगभग 19.01 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष तीन राज्यों में दूसरे स्थान पर रहा। तिलहन क्षेत्र में भी राज्य की स्थिति मजबूत रही। कुल तिलहन उत्पादन में मध्यप्रदेश ने 8.25 मिलियन टन उत्पादन करते हुए लगभग 19.19 प्रतिशत राष्ट्रीय हिस्सेदारी दर्ज की एवं देश से दूसरा स्थान हासिल किया। विशेष रूप से सोयाबीन उत्पादन में राज्य ने 5.38 मिलियन टन उत्पादन किया, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग 35.27 प्रतिशत है और इसे देश के प्रमुख सोयाबीन उत्पादक राज्यों में स्थापित करता है। राज्य में मूंगफली का उत्पादन 1.55 मिलियन टन रहा जो कि देश के कुल उत्पादन का 12.99 प्रतिशत रहा। मूंगफली उत्पादन में राज्य देश में तीसरे स्थान पर है।

शैक्षणिक स्वतंत्रता और ज्ञान की खोज के केंद्र हैं हमारे विश्वविद्यालय या वैचारिक युद्धक्षेत्र?

डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल
स्तंभकार

शैक्षणिक स्वतंत्रता, ज्ञान की खोज और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ऐसी चीजें हैं जिन पर विश्वविद्यालय अक्सर गर्व करते हैं। हालांकि, कुछ वामपंथी और इस्लामी वैचारिक समूह इनका दुरुपयोग समाज में असमानता और कई कॉलेजों में राष्ट्र-विरोधी आचरण को बढ़ावा देने के लिए करते हैं। सहकर्मी नेटवर्क और संस्थागत पुरस्कार प्रणालियाँ जो एक विशिष्ट असामाजिक और राष्ट्र-विरोधी वैचारिक विचारधारा को दूसरों पर प्राथमिकता देती हैं, शैक्षणिक विभागों को ऐसे प्रतिध्वनि कक्षों में बदल देती हैं जहाँ कुछ विशेष दृष्टिकोण हावी हो जाते हैं। दुनिया इस साम्यवादी मानसिक और संज्ञानात्मक विकृति से पीड़ित होने लगी है। यह विकृति भारतीय विश्वविद्यालयों को भी प्रभावित करती है, जिससे राष्ट्र और समाज को गंभीर नुकसान पहुँचता है। कई विश्वविद्यालय जिनमें मानविकी विभाग है, एक साम्यवादी थीम पार्क बन गए हैं। लक्ष्य है भारत का विघटन करना और सनातन धर्म को विकृत सिद्धांत और व्यवहार के माध्यम से ध्वस्त करना, चाहे वह समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, इतिहास, भाषा या कानून का क्षेत्र हो। उच्च शिक्षा में बौद्धिक विविधता नष्ट करने और ज्ञान संबंधी भ्रम पैदा करने वाले कट्टरपंथी साम्यवादी विचारों को अधिकाधिक बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र में विश्वविद्यालय के कुलपतियों सहित 200 से अधिक शिक्षा विशेषज्ञों ने देश की गिरती शैक्षिक स्थिति के लिए वामपंथी कार्यकर्ताओं के एक समूह को जिम्मेदार ठहराया है। वामपंथियों की भ्रामक प्रवृत्ति युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध भड़काने की है। 1980 के दशक में जब वामपंथी संगठनों ने देश के युवाओं और ग्रामीणों को राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया था, तब से वामपंथी उग्रवाद और वामपंथी विचारधारा की आड़ में देश को विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि जेएनयू से लेकर जामिया, एएमयू से लेकर जादवपुर तक के परिसरों में हो रही घटनाएं दर्शाती हैं कि कैसे मुट्ठी भर वामपंथी कार्यकर्ताओं की गतिविधियों से शैक्षणिक वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। विश्वविद्यालय में केवल शिक्षा के उद्देश्य से दाखिला लेने वाले और किसी भी समूह से असंबंधित छात्र सबसे अधिक पीड़ित हैं। सोशल मीडिया पर गलत प्रचार, झूठी कहानी और झूठे विमर्श जैसे शब्दों का अक्सर इस्तेमाल होता है। सनातन धर्म/हिंदुत्व की झूठी कहानियां मीडिया में बड़े पैमाने पर फैलाई जाती है और कई सरकारी कर्मचारी, बहुराष्ट्रीय निगमों के कर्मचारी, गैर सरकारी संगठनों, विश्वविद्यालयों, मीडिया संस्थानों आदि में विभिन्न पदों पर कार्यरत कर्मचारी इन झूठी कहानियों को सत्य मान लेते हैं। मेरा मानना है कि स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे वर्तमान पीढ़ी के छात्रों के एक बड़े हिस्से के लिए भी यही सत्य है। आखिरकार, लाखों लोग- जिनमें से कई असहमत हो सकते हैं, उनको इन विभिन्न कहानियों को अपनाने के लिए मजबूर किया गया है, जबकि हम जानते हैं कि वे गलत हैं। हमारे शिक्षा तंत्र में व्याप्त मार्क्सवादी माहौल ने बच्चों और युवाओं के दिमाग में झूठी कहानियों को व्यवस्थित रूप से बिठा दिया है। परिणामस्वरूप, ये छद्म-उदारवादी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कड़ा विरोध करते हैं, जिसका उद्देश्य प्रत्येक छात्र के व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र को बेहतर बनाने के लिए अनुसंधान-उन्मुख दृष्टिकोण, जीवन कौशल और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है। युवाओं को साम्यवाद का विचार विशेष रूप से आकर्षित करता है। समानता, सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता और क्रांति जैसे विषयों पर चर्चा करना कितना रोमांचक होता है! युवा मन ऐसे विषयों से प्रेरित हो सकता है। युवा स्वभाव से भावुक होते हैं। साम्यवाद हमें यथास्थिति को उखाड़ फेंकने और एक गैरकानूनी और अमानवीय क्रांति शुरू करने के लिए कहता है। परिणामस्वरूप, संविधान के विरुद्ध होने के बावजूद युवा वामपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित होते हैं। वे साम्यवाद की गहरी वास्तविकता को समझने में असमर्थ हैं। न केवल प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों के छात्रों बल्कि अमेरिका और कई यूरोपीय देशों जैसे पूंजीवादी देशों में भी साम्यवाद जहर फैला रहा है। इस विचारधारा की रणनीति है युवावस्था में उन्हें फंसाना और उनकी बुद्धि को भ्रमित करना। इसलिए, वे कॉलेज के छात्रों को निशाना बनाते हैं जो अभी तक हर स्थिति में अपने निर्णय लेने के लिए पर्याप्त परिपक्व नहीं हैं, लेकिन हाल ही में अपने माता-पिता के संरक्षण से मुक्त हुए हैं। अवसरवादी राजनेता और साम्यवादी इस खामी का फायदा उठाकर छात्रों के दिमाग में झूठ, अधूरी सच्चाई और आकर्षक भाषा का इस्तेमाल करके गलत धारणाएं भर देते हैं। कहा जाता है कि प्राचीन चीन में 'हिरण की ओर इशारा करके उसे घोड़ा कहना' आम बात थी। अगर सार्वजनिक रूप से आपसे सवाल किया जाता और आप यह मानने से इनकार कर देते कि वह घोड़ा है तो आपको समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता था। दुर्भाग्य से, यह चर्चा आजकल सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है। इस मिथक के बार-बार फैलने के कारण कई युवा अब इसे घोड़ा समझते हैं- हालांकि ऐसा करने के लिए वे मजबूर नहीं हैं। वोकवाद उन लोगों का समूह है जो वास्तव में अनपढ़ और अज्ञानी हैं लेकिन खुद को दुनिया का सबसे जानकार समझते हैं। ये लोग वामपंथी 'वोक' संस्कृति का हिस्सा हैं। झूठ पर विश्वास करने के बावजूद वे सामाजिक मुद्दों के बारे में खुद को जानकार मानते हैं।

सौभाग्य से, आज के युवाओं की एक बड़ी संख्या ने वामपंथियों के झूठे प्रगतिवाद को सही ढंग से पहचान लिया है और उनकी नफरत की राजनीति को नकार दिया है। एबीवीपी जैसे संगठन वामपंथियों के इस झूठे प्रगतिशील एजेंडे को उजागर करने के लिए लगातार आगे आ रहे हैं। एबीवीपी की राष्ट्रवादी गतिविधियों, अभिनव कैंपस सक्रियता और छात्र कल्याण, सामाजिक कल्याण और राष्ट्रीय कल्याण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता के कारण छात्रों ने वामपंथी विचारधाराओं को नकार दिया है। ये प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों के परिसरों में व्यापक रूप से फैले हिंदू-विरोधी पूर्वाग्रह और दुष्प्रचार के कुछ ही उदाहरण हैं। इन वामपंथी विचारकों द्वारा प्रचारित भ्रामक विचारों का समाधान बुद्धिजीवियों को करना चाहिए। कॉलेजों और संस्थानों को हमारे बच्चों और युवाओं को वामपंथी पॉप संस्कृति से जुड़े खतरों के बारे में शिक्षित करने के लिए काम शुरू करना चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

मेंटल हेल्थ

सुबह-सुबह बढ़ता है स्ट्रेस हार्मोन, हेल्दी मॉर्निंग रूटीन से बेहतर रहेगा मानसिक स्वास्थ्य

सुबह उठने के बाद अक्सर लोगों को बिना किसी कारण के घबराहट, बेचैनी या काम का भारी दबाव महसूस होने लगता है। कई लोग इसे मंडे ब्लूज या काम का तनाव मान लेते हैं, लेकिन मेडिकल की भाषा में इसे कोर्टिसोल अवेकनिंग रिस्पॉन्स कहा जाता है। सुबह के समय हमारे शरीर में तनाव पैदा करने वाला हार्मोन कोर्टिसोल का स्तर अपने पीक पर होता है। यह एक प्राकृतिक बायोलॉजिकल प्रोसेस है। हालांकि जब यह हार्मोन लगातार बढ़ा हुआ रहता है, तो यह हमारी मानसिक शांति को प्रभावित कर सकता है। यूएस के नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्टिसोल हमारे शरीर का मुख्य स्ट्रेस हार्मोन है, जिसे एड्रिनल ग्रंथियां रिलीज करती हैं। सुबह के समय इसका बढ़ना वास्तव में शरीर की एक रक्षात्मक प्रणाली है। जागने के पहले 30 से 45 मिनट के भीतर शरीर में कोर्टिसोल का स्तर लगभग 38% से 75% तक बढ़ जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य शरीर को नींद की अवस्था से बाहर निकालना, ब्लड शुगर बढ़ाना और आपको दिन भर की चुनौतियों के लिए अलर्ट करना है। समस्या तब होती है, जब यह स्तर सामान्य से अधिक बना रहता है, जिससे सुबह-सुबह घबराहट महसूस होने लगती है।

सुबह स्ट्रेस हार्मोन बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं। सबसे बड़ा कारण है अधूरी नींद या नींद की खराब क्वालिटी। जब शरीर को पर्याप्त आराम नहीं मिलता, तो वह थकान से लड़ने के लिए अधिक कोर्टिसोल पैदा करता है। इसके अलावा रात के समय भारी भोजन करना या सोने से ठीक पहले मोबाइल स्क्रीन का उपयोग करना भी शरीर की सर्केडियन रिदम को बिगाड़ देता है। मनोवैज्ञानिक रूप से अगर आप रात को ही अगले दिन के कार्यों को लेकर चिंतित होकर सोते हैं, तो ब्रेन सुबह होते ही फाइट या फ्लाइट मोड एक्टिव कर देता है। इससे बॉडी में स्ट्रेस हार्मोन का स्तर तेजी से बढ़ जाता है। आजकल अधिकांश लोगों की आदत होती है कि वे आंख खुलते ही सबसे पहले अपना स्मार्टफोन चेक करते हैं। सोशल मीडिया, ईमेल और नोटिफिकेशंस ब्रेन को तुरंत हाइपर-अलर्ट मोड में डाल देते हैं। यह आदत कॉर्टिसोल के स्तर को अचानक स्पाइक कर देती है, जिससे शरीर को धीरे-धीरे जागने का समय नहीं मिलता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सुबह के पहले एक घंटे में डिजिटल दुनिया से दूरी बनाए रखना मानसिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है।

तनाव हार्मोन को संतुलित करने का सबसे प्रभावी तरीका एक हेल्दी मॉर्निंग रूटीन है। जागने के बाद कम से कम 10 से 15 मिनट के लिए गहरी सांस लें या मेडिटेशन करें. यह पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करता है, जो कोर्टिसोल के प्रभाव को कम कर शरीर को शांति का अनुभव कराता है। सुबह की हल्की धूप के संपर्क में आने से शरीर में सेरोटोनिन हार्मोन बढ़ता है, जो मूड को बेहतर बनाता है और प्राकृतिक रूप से कोर्टिसोल को संतुलित करता है।

सुविचार

इतनी जल्दी दुनिया की कोई चीज नहीं बदलती जितनी जल्दी इंसान की नजरें और नीयत बदल जाती हैं।

-अज्ञात

निशाना

तुम पर बोझ नहीं..!

रामकिशोर नाविक

दुख होगा तो दुख गा लेंगे
कभी किसी को ना सालेंगे
अपने ग़म उद्घाटित करके
तुम पर बोझ नहीं डालेंगे
ठहरेंगे सुख के मृग छौने
हम ये भरम नहीं पालेंगे
मन की मस्ती ज़िंदा रखने
ग़म खा लेंगे कम खा लेंगे
जैसे भी हो मरते दम तक
अपने फन को चमका लेंगे।

AI अपडेट

ओपन एआई के चेयरमैन की बोर्ड मेम्बर्स को सलाह, AI टूल के बगैर बेहतर होगा प्रेजेंटेशन

ओपन एआई के चेयरमैन ब्रेट टेलर ने बोर्ड मीटिंग्स में शामिल होने वाले बोर्ड मेंबर्स को मीटिंग की तैयारी करने के लिए द्ध टूल्स का उपयोग करने के बजाय खुद लिखकर डॉक्यूमेंट्स बनाने के लिए कहा है। टेलर के अनुसार, AI की मदद के बिना लिखने से विचार और गहरे होते हैं। साथ ही, इससे बोर्ड रूम में डेटा रिव्यू के बजाय 'रणनीतिक मुद्दों' पर चर्चा हो पाती है।

टेलर नहीं चाहते हैं कि कंपनी के बोर्ड मेंबर मीटिंग की तैयारी करने के लिए AI टूल्स का इस्तेमाल करें। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रेट टेलर ने हाल ही में जैक ऑल्टमैन के साथ हुए पॉडकास्ट में अनकैप्ड पर बात करते हुए कहा कि वे बोर्ड मेंबर्स से स्लाइड वाली प्रेजेंटेशन की जगह डिटेल में लिखे हुए डॉक्यूमेंट्स चाहते हैं। उन्हें वे ज्यादा पसंद हैं, चाहे छोटे ही क्यों ना हों। उनका मनान है कि जब लोग बोर्ड मीटिंग से पहले ही जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं तो बोर्ड रूम में ज्यादा जरूरी चीजों पर चर्चा हो पाती है।

विचार होते हैं गहरे और साफ: टेलर स्टार्टअप सिएरा के को-फाउंडर भी हैं। उनका कहना है कि AI के बिना लिखने से बोर्ड मेंबर को अपने विचारों को और भी क्लियर कर पाते हैं। उनको यह भी लगता है कि बोर्ड मेंबर्स को समय से पहले मीटिंग के बारे में जरूरी पॉइंट्स को पढ़ लेना चाहिए ताकि मीटिंग में पहली बार डेटा रिव्यू करने के बजाय लोगों का ध्यान स्ट्रेटेजिक मुद्दों पर रहे।

टेलर की यह सोच Amazon के जेफ बेजोस की मेमो वाली मीटिंग्स जैसी ही है। लेकिन फर्क इतना है कि बेजोस टेलर से अलग छह पेज के बड़े मेमो पसंद करते थे, वहीं टेलर छोटा लिखना पसंद करते हैं। उनका कहना है कि छोटे डॉक्यूमेंट्स सोच-समझकर लिखे जाते हैं। अगर मेरे पास ज्यादा समय होता, तो मैं एक छोटा लेटर लिखता।

एआई इस्तेमाल पर भी की बात: टेलर ने हाई-स्टेक वाले मामलों में एआई की जरूरत और उसकी काबिलियत को माना है। उन्हें लगता है कि रेगुलेटर्स को कुछ प्रोसेस देखने के लिए AI एजेंट्स की जरूरत पड़ सकती है। पिछले महीने AI बबल पर अपने विचार रखते हुए OpenAI के चेयरमैन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस 'शायद' एक बबल है और आने वाले सालों में मार्केट में सुधार की उम्मीद की जा सकती है।

अजब - गजब

यह शातिर चींटी, दूसरी चींटियों को सम्मोहित कर उनकी रानी का कत्ल करवा देती है!

जापान के घने जंगलों में वैज्ञानिकों को ऐसी चींटी मिली है, जिसने एक्सपर्ट्स को हैरान कर दिया है। आमतौर पर चींटियों की दुनिया में एक सख्त अनुशासन होता है, जहां एक रानी अंडे देती है, मजदूर खाना लाते हैं और नर प्रजनन में मदद करते हैं। लेकिन 'टेम्नोथोरैक्स किनोमुराई' नाम की इस दुर्लभ प्रजाति ने कुदरत के सारे नियम तोड़ दिए हैं। रिसर्चर्स ने अब आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि इस प्रजाति में न तो काम करने वाले मजदूर (वर्कर्स) होते हैं और न ही नर चींटे। इस पूरी बिरादरी में सिर्फ और सिर्फ रानियां ही पैदा होती हैं और वही राज करती हैं।

इस प्रजाति की सबसे चौंकाने वाली बात इनका रिप्रोडक्शन सिस्टम है। यूनिवर्सिटी ऑफ रेगेन्सबर्ग के वैज्ञानिकों ने जब लैब में इन चींटियों की जांच की, तो उन्हें एक भी नर चींटी नहीं मिली। रिसर्च में यह बात सामने आई कि ये रानियां बिना किसी मेल पार्टनर के ही अंडे देती हैं। इस प्रक्रिया को विज्ञान की भाषा में 'पार्थेनोजेनेसिस' कहा जाता है। आसान शब्दों में कहें तो ये रानियां अपनी जैसी दिखने वाली हूबहू फोटोकॉपी यानी क्लोन तैयार करती हैं। माइक्रोस्कोप से जांच करने पर पता चला कि इन रानियों के शरीर में प्रजनन के लिए जरूरी अंगों का कभी इस्तेमाल ही नहीं हुआ था, जो साबित करता है कि इनका पूरा वंश बिना नरों के चल रहा है।

गुलाम बनाती है शातिर 'क्वीन': यह चींटी जितनी अनोखी है, उतनी ही क्रूर और चालाक भी है। चूंकि इनके पास काम करने के लिए मजदूर नहीं होते, इसलिए ये दूसरी प्रजाति 'टेम्नोथोरैक्स माकोरा' के घोंसलों को अपना निशाना बनाती हैं। किनोमुराई की युवा रानियां चुपके से माकोरा चींटियों के घर में घुस जाती हैं। वहां पहुंचकर ये अपनी जहरीली डंक से असली रानी को मार डालती हैं या फिर वहां के मजदूरों को इस कदर धोखा देती हैं कि वे खुद अपनी ही रानी मां का कत्ल कर देते हैं। इसके बाद ये परजीवी रानियां उस घोंसले की गद्दी पर बैठ जाती हैं और वहां मौजूद मजदूरों को अपना गुलाम बनाकर उनसे अपनी संतानों की परवरिश करवाती हैं।

करंट बायोलॉजी जर्नल में पब्लिश रिसर्च के मुताबिक, यह प्रजाति सामाजिक परजीविता (Social Parasitism) के आखिरी स्तर पर पहुंच चुकी है। जर्मनी के शोधकर्ता जुर्गन हेंज का कहना है कि यह चींटियों के विकास का एक नया और रोमांचक आयाम है। अगर एक सामान्य रानी अंडे देती है, तो उसमें से कुछ मजदूर और कुछ नर निकलते हैं। लेकिन किनोमुराई रानी की सभी बेटियां रानी ही बनती हैं। इससे उनके पास नए घोंसलों पर कब्जा करने और अपनी आबादी फैलाने के ज्यादा मौके होते हैं।

न्यूज विंडो

मेला स्थल पर लगी दुकानों पर लगाया 51 हजार रुपए से ज्यादा का जुर्माना

नर्मदापुरम। मेला ग्राउंड पर मेले की अवधि समाप्त हो जाने के बाद भी अवैध रूप से दुकानें लगाकर बैठे हुए दुकानदारों पर मंगलवार को नगरपालिका की टीम द्वारा गंदगी और कचरा फैलाने पर स्पाट फाइन किया गया। साथ ही हिदायत दी गई कि जल्द से जल्द अपनी दुकानें मेला स्थल से हटा लें। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने नेतृत्व में नपा की टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। कार्यालय अधीक्षक श्री सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है। श्री सोनी ने बताया कि मेला अवधि समाप्त हो जाने के बाद भी दुकान लगाए हुए दुकानदारों को ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया है। आगामी मेले के आयोजन के दौरान इन्हें दुकानें आवंटित नहीं की जाएगी। 51 हजार रुपए से अधिक का स्पाट फाइन किया गया है और दुकान हटाने की अंतिम चेतावनी दी गई है। कार्रवाई नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा के मार्गदर्शन में एआई रवि सूर्यवंशी, मूर्तिसिंह राजपूत, सुनील राठौर, सुनील अवस्थी, राजेश गोस्वामी और अतिक्रमण दल सहप्रभारी सुनील राजपूत द्वारा की गई। खेल मैदान पर गंदगी फैलाने पर खेल प्रेमियों द्वारा इसकी शिकायत की गई थी। आज नगरपालिका द्वारा की गई कार्रवाई से खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों में हर्ष का माहौल है।

सड़कों पर गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों के खिलाफ होगी सख्त चलानी कार्रवाई

मंडीदीप। नगर को स्वच्छ बनाने की दिशा में मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रशांत जैन ने अधिकारियों की बैठक लेकर 1 माह के भीतर नगर को पूरी तरह कचरा मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। व अधिकारीयों के तत्काल निर्देशित किया इस अभियान के तहत सड़कों पर गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त चलानी कार्रवाई की जाएगी, ताकि शहर को स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत बेहतर स्थिति में लाया जा सके। जिसकी जानकारी देते हुए CMO प्रशांत जैन ने बताया कि आगामी एक महीने में नगर को कचरा मुक्त करने का निर्देश दिया है। बैठक में वार्ड वार पर्यवेक्षकों और अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तृत कार्ययोजना बनाई जा रही है। साथ ही सड़कों पर कचरा फैलाने वाले या गंदगी करने वाले दुकानदारों पर सीधे चलानी कार्यवाही की जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन के तहत, सार्वजनिक स्वच्छता और कचरा प्रबंधन को दुरुस्त करने पर जोर दिया जा रहा है। सीएमओ प्रशांत जैन ने अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक लेकर साफ कर दिया है कि आगामी 1 माह में मंडीदीप को पूर्णतः कचरा मुक्त बनाया जाएगा। मंडीदीप में अब सिर्फ सफाई नहीं, बल्कि स्वच्छता को संस्कृति बनाने की शुरुआत हो चुकी है। यह सिर्फ सफाई अभियान नहीं, बल्की शहर को कचरा मुक्त करना प्रमुख अभियान रहेगा।

भक्ति व्यक्ति को नहीं, वंश को तारती है : महंत राममनोहर दास

गंजबासौदा। भक्ति से वंश का उद्धार होता है, और बैर से वंश का नाश। प्रहलाद की भक्ति ने दैत्य कुल में भी धर्म का दीप जलाया, जबकि भरत की भक्ति ने राजवंश को मर्यादा के पथ पर स्थिर किया। दोनों प्रसंग यह सिखाते हैं कि एक सच्चा भक्त अपने कुल की दिशा बदल देता है वह केवल स्वयं नहीं तरता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी मार्ग प्रशस्त करता है। भक्ति जहां गहरी होती है, वहां हर दृश्य का अर्थ बदल जाता है। चित्रकूट की पावन धरती पर भरत चरित्र के प्रसंग ने यह सिखाया कि प्रेम में विवेक जुड़ जाए तो भ्रम टूटता है और बैर की जगह भक्ति जन्म लेती है। चतुरंगी सेना के साथ आते भरत को देखकर उपजा निषाद राज और लक्ष्मण के मन में जागा संदेह, चरणों में झुकते ही समर्पण में बदल गया और राम-प्रेम की सच्चाई उजागर हो गई। चित्रकूट में स्वयंपाकी परमहंस जी महाराज के आश्रम में भगवान सीताराम जी की प्राण प्रतिष्ठा एवं पंच कुंडीय महायज्ञ के उपलक्ष्य में सनकादिक आश्रम में आयोजित हो रही नवदिवसीय भरत चरित्र की कथा में नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज ने व्यास पीठ से भक्तों को मार्मिक संदेश दिया। चित्रकूट की पावन धरती पर चल रही भरत चरित्र कथा के छठवे दिवस के क्रम में भक्ति की वह महिमा उजागर हुई।

बैतूल जिला अस्पताल में लापरवाही का बड़ा मामला

दर्द से चीखती रही महिला, सोता रहा स्टाफ, गुस्से में नर्स ने की शर्मनाक हरकत; नवजात की मौत

बैतूल। दोपहर मेट्रो

जिला अस्पताल में प्रसव के बाद एक नवजात की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर गंभीर लापरवाही और अमानवीय व्यवहार के आरोप लगाए हैं। घटना 20 फरवरी देर रात की है। मामले में परिजनों ने जनसुनवाई में कलेक्टर से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम साकादेही निवासी पूजा यादव को प्रसव पीड़ा होने पर जिला अस्पताल के प्रसूता वार्ड में भर्ती कराया था। पति योगेश यादव के अनुसार, रात करीब ढाई बजे पत्नी तेज दर्द से तड़प रही थी, लेकिन ड्यूटी पर मौजूद नर्स और स्टाफ ने समय पर ध्यान नहीं दिया। जब नर्स को जगाया तो वह नाराज हो गई और प्रसूता के पेट पर हाथ से दबाव डाला। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान अभद्र टिप्पणी भी की गई। कुछ घंटे बाद नवजात बच्ची की मौत हो गई। परिवार का कहना है कि प्रसव के दौरान पेट पर दबाव डालने से गर्भस्थ शिशु की जान गई। घटना के बाद से प्रसूता की मानसिक स्थिति भी बिगड़ गई है और वह गहरे सदमे में है।

ड्यूटी पर तैनात नर्स और दो कर्मचारियों को नोटिस

परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। मामले की शिकायत परिजनों ने कलेक्टर से जनसुनवाई में करते हुए कार्रवाई की मांग की है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे ने बताया मामले की जांच करने डॉ. रंजीत राठौर, डॉ. आशीष ठाकुर और डॉ. ईशा डेनियल की टीम गठित की है। ड्यूटी पर तैनात एक स्टाफ नर्स और दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को शो-कॉज नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जिला अस्पताल में प्रसूता और नवजात की मौत का यह पहला मामला नहीं है। हर बार किसी घटना के बाद जांच टीम गठित कर दी जाती है, लेकिन रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होती और न ही जिम्मेदारों पर कार्रवाई होती है। 15 नवंबर 2025 को चोपना थाना क्षेत्र के इमलीखेड़ा निवासी एक प्रसूता की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी मंत्री स्वयं जिला अस्पताल पहुंचे थे और जांच व कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन कुछ नहीं हुआ। अस्पताल में प्रसव और ऑपरेशन के नाम पर पैसे लेने के आरोप भी कई बार लग चुके हैं।

10वीं बोर्ड के पेपर के बीच नाबालिग छात्रा ने केन्द्र में दिया बच्चे को जन्म

धार। दोपहर मेट्रो

जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। घटना जिले के पीथमपुर सेक्टर-1 की है जहां 10वीं की बोर्ड परीक्षा के पेपर के दौरान उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक नाबालिग छात्रा ने परीक्षा केन्द्र में ही बच्चे को जन्म दे दिया। नाबालिग छात्रा हाउसिंग बोर्ड स्थित एक हायर सेकंडरी स्कूल में गणित का पेपर देने के लिए पहुंची थी, वो पेपर दे रही थी तभी उसे प्रसव पीड़ा हुई और उसने परीक्षा केन्द्र में ही बच्चे को जन्म दे दिया। पीथमपुर सेक्टर-1 थाना क्षेत्र में हाउसिंग बोर्ड स्थित एक हायर सेकंडरी स्कूल में मंगलवार को 10वीं बोर्ड का गणित का पेपर हो रहा था। पेपर सुबह 9 बजे शुरु हुआ। करीब 10 बजे उसे पेट में तेज दर्द शुरू हुआ तो वो बाथरूम चली गई। स्थिति गंभीर देख स्कूल प्रबंधन ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बुलाया जिसके बाद उनकी मदद से सुरक्षित प्रसव कराया गया। छात्रा ने एक पुत्र को जन्म दिया है। फिलहाल मां और नवजात दोनों स्वस्थ बताए जा रहे हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस अधिकारी चांदनी सिंगारे के अनुसार, 16 वर्ष 3 माह की नाबालिग वर्ष 2017 से पीथमपुर क्षेत्र में रह रही है। मई 2024 में गरबा कार्यक्रम के दौरान उसकी पहचान कान्हा पिता नितेश बरमन निवासी जीवन ज्योति कॉलोनी, थाना बेटमा (जिला इंदौर) से हुई थी। आरोप है कि युवक ने बहला-फुसलाकर कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई। गर्भावस्था की जानकारी छात्रा ने लंबे समय तक अपने परिजनों से छिपाए रखी। जब परिजनों को संदेह हुआ तो छात्रा ने गर्भ ठहरने का कारण अपने मंगेतर से संबंध बताकर परिवार को गुमराह किया। बताया जा रहा है कि उसकी सगाई भी हो चुकी थी। पुलिस ने आरोपी कान्हा के खिलाफ 'जीरो' पर मामला कायम कर प्रकरण थाना बेटमा (जिला इंदौर) को भेज दिया है।

ज्ञापन सौंपकर दुकान शहर से बाहर करने की मांग

बाजार के बीच में शराब दुकान, किया विरोध

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

औबेदुल्लागंज नगर के युवाओं और नागरिकों ने बाजार के बीच स्थित शराब दुकान को हटाने के लिए मोर्चा खोल दिया है। स्थानीय युवाओं ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) गौहरगंज के नाम एक ज्ञापन सौंपकर आगामी वित्तीय वर्ष में शराब दुकान का ठेका नगर की सीमा से बाहर करने की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में शराब की दुकान मुख्य बाजार के बीचों-बीच स्थित है। शराबियों द्वारा सड़क पर ही बैठकर शराब पीने और गाली-गलौज करने के कारण वहां से गुजरने वाली महिलाओं, स्कूली छात्राओं और बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बाजार में आए दिन होने वाली लड़ाई-झगड़ों के कारण क्षेत्र में भय का माहौल बना रहता है। ?युवा शक्ति एवं महिला शक्ति समूह ने स्पष्ट किया है कि यदि जनहित में इस शराब दुकान को नगर की सीमा से बाहर स्थानांतरित नहीं किया गया, तो नगरवासी उग्र कदम उठाने को विवश होंगे। ज्ञापन की प्रतिलिपियां कलेक्टर और मुख्य आबकारी अधिकारी को भी भेजी गई हैं।

सनातन और राष्ट्र निर्माण में पाल समाज की अहम भूमिका: शैतानसिंह

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

औबेदुल्लागंज जनपद की ग्राम पंचायत थाना में अखिल भारतीय पाल महासभा की बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन विस्तार करते हुए सुनील पाल को जिला महामंत्री नियुक्त किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैतान सिंह पाल ने कहा कि पाल समाज ने ÷जंगल से लेकर संसद तक÷ सदैव राष्ट्र निर्माण और सनातन संस्कृति की रक्षा में योगदान दिया है। उन्होंने युवाओं से छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा लेकर समाज सेवा में जुटने का आह्वान किया।

सामाजिक सतर्कता को लेकर लव जिहाद जैसे मुद्दों पर युवाओं को जागरूक रहने और हिंदुत्व की रक्षा के लिए संगठित होने पर जोर दिया गया। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती को सम्मानपूर्वक मनाने के लिए पीएम मोदी और सीएम मोहन यादव का आभार जताया गया। आगामी अक्षय तृतीया पर परिचय सम्मेलन और 100 से अधिक जोड़ों के सामूहिक विवाह की तैयारियों पर

चर्चा हुई। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह पाल, जिला अध्यक्ष डॉ. रमेश पाल सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पत्रकार बंधुओं का स्वागत किया ।

छात्रा की बिगड़ी तबीयत अस्पताल ले जाते वक्त मौत

मुरैना।दोपहर मेट्रो

शहर से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक छात्रा की दसवीं का पेपर देते वक्त तबीयत बिगड़ी और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। घटना मुरैना जिले के बानमोर के पंडित नेहरू कॉलेज भाग-2 परीक्षा केन्द्र की है। जहां मंगलवार को हाईस्कूल के गणित का पेपर चल रहा था। एग्जाम खत्म होने के बाद जब पेपर जमा हो रहे थे तभी छात्रा बेहोश होकर गिरी और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। ग्वालियर चक बुधारा थाना हस्तिनापुर निवासी देवेंद्र कुशवाह की बेटी वर्षा कुशवाह (19) बानमोर के पंडित नेहरू कॉलेज भाग-2 परीक्षा केंद्र पर मंगलवार को हाईस्कूल का पेपर देने आई थी। सुबह 9 बजे से पेपर शुरू हुआ। दोपहर 12 बजे पेपर समय खत्म होने के बाद जब कॉपियां जमा हो रही थीं, इसी दौरान छात्रा वर्षा बेहोश होकर गिर पड़ी। ड्यूटी पर तैनात केंद्राध्यक्ष महेंद्र कुमार अटल सहित अन्य शिक्षकों ने छात्रा को उठाया और उसे सीधे बानमोर अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां बच्ची की गंभीर हालत देखकर डॉक्टर्स ने ग्वालियर रैफर कर दिया।

मेट्रो एंकर

सांसद ने किया जिला स्तरीय सेमीनार का शुभारंभ

जिन लोगों ने कभी खेती नहीं की, वे किसानों को गुमराह कर रहे: दर्शनसिंह

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने माखन नगर एम.पी. एग्रो फार्म में दो दिवसीय जिला स्तरीय सेमीनार एवं पुष्प प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। यह आयोजन उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत जिला प्रशासन नर्मदापुरम द्वारा किया गया।

सांसद दर्शन सिंह ने बागवानी के समग्र विकास और किसानों की आय दोगुनी करने पर बल दिया। उन्होंने केंद्र सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं जैसे समर्थन मूल्य पर गेहूं, चना, धान और ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीद की जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ÷विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025÷ को किसानों के हित में बताया।सांसद चौधरी ने कांग्रेस समेत कुछ दलों पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने कभी खेती

नहीं की, वे आज भ्रम फैला रहे हैं, जबकि भाजपा सरकार आधुनिक तकनीक और उचित मूल्य सुनिश्चित कर रही है। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश तैराकी संघ अध्यक्ष पियूष शर्मा, नीतिराज सिंह पटेल, हॉर्टिकल्चर डिप्टी डायरेक्टर रीता मरकाम, भाजपा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष योगेंद्र सिंह राजपूत सहित कई नेता और प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे। किसानों ने अपने अनुभव साझा किए।

बाजार उपलब्धता पर किसानों को दिया मार्गदर्शन

दो दिवसीय सेमीनार में उन्नत बागवानी तकनीक, पुष्प उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और बाजार उपलब्धता पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन हुआ। फूलों की उन्नत किस्मों की प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण रही। उद्देश्य किसानों को सरकारी योजनाओं और नवाचार से जोड़कर आय बढ़ाना है।

एसडीओपी शीला सुराणा ने किया गौशाला का दौरा, कार्यों की प्रशंसा की

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

गोसेवा को सबसे बड़ा मानवीय कार्य बताते हुए ओबेदुल्लागंज एसडीओपी शीला सुराणा ने पटेल नगर मंडीदीप स्थित निस्वार्थ हरि गोशाला का दौरा किया। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए गोवंश के इलाज की प्रक्रिया को समझा और टीम के पुरुषोत्तम चौहान, राहुल और नितिन सहित अन्य के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि गोसेवा से बड़ा कोई मानवीय कार्य नहीं है। करीब दो वर्ष पूर्व शुरू की गई इस गोशाला में सड़क हादसों में घायल गोवंश का उपचार किया जाता है। अब तक यहां 100 से अधिक गोवंश का इलाज हो चुका है। गौशाला के राहुल सेन ने बताया कि यह अस्पताल पूरी तरह जन सहयोग और दान से संचालित

होता है। घायल गोवंश के इलाज की जिम्मेदारी अनुभवी वेटनरी डॉक्टरों की टीम निभाती है। यह गौशाला न केवल गोवंश की रक्षा कर रही है, बल्कि समाज में गौ-सेवा के प्रति जागरूकता फैला रही है।

सिफारिश नहीं मानी तो थाने के सामने चक्काजाम, पुलिस से हुई झड़प

मुरैना। दोपहर मेट्रो

पोरसा कस्बे में फायरिंग करने वाले आरोपियों की सिफारिश करने करणी सेना के पदाधिकारी पुलिस थाने पहुंचे। पुलिस ने उनकी नहीं सुनीं तो मंगलवार की सुबह करीब 10 बजे करणी सेना के जिलाध्यक्ष विष्णु सिंह तोमर अपने 40-50 समर्थकों के साथ थाने के मुख्य द्वार के सामने सडक़ पर धरना पर बैठ गए। बिना अनुमति नारेबाजी करते हुए चक्काजाम कर दिया। उस समय हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षाएं चल रही थीं। प्रश्नपत्र एवं उत्तर पुस्तिकाओं की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका के चलते पुलिस ने समझाइश दी।

मौके पर टीआई दिनेश सिंह कुशवाह और तहसीलदार नवीन भारद्वाज पुलिस बल के साथ पहुंचे। पुलिस का कहना है कि समझाने के बावजूद प्रदर्शनकारी नहीं माने और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धक्का-मुक्की शुरू कर दी। आरक्षक सीताराम को धक्का देने से वे गिर पड़े और हाथ में चोट आई। वहीं आरक्षक सतीश को भी गिरा दिया गया, जिससे उनके घुटनों में चोट आई। पुलिस ने इसे शासकीय कार्य में बाधा और बलवा की श्रेणी में लेते हुए कार्रवाई की।

थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश सिंह कुशवाह के मुताबिक 23 फरवरी की शाम करीब 5:30 बजे गोविंद शर्मा निवासी लालपुरा ने शिकायत की थी कि गोरमी बाईपास रोड पर बंटू तोमर निवासी मढोखर और उमेश राजावत निवासी मांधाता पुरा ने उनकी लग्जरी कार पर कट्टे से हवाई फायर किया। प्रारंभिक जांच में दोनों पक्षों के बीच पुराना विवाद सामने आया। मामले में अपराध क्रमांक 43/26 धारा 296बी, 125, 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस का कहना है कि इसी कार्रवाई को प्रभावित करने के उद्देश्य से करणी सेना के विष्णु तोमर अपने साथियों के साथ थाने पहुंचे और आरोपियों के पक्ष में दबाव बनाने की कोशिश की।

इन धाराओं में मामला दर्ज

थाना पोरसा में एफआईआर क्रमांक 0044/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 126(2), 191(2), 190, 132, 296(बी) एवं 121(1) के तहत प्रकरण कायम किया गया है। नामजद आरोपियों में विष्णु सिंह तोमर, शिव तोमर, शिवकुमार सिंह तोमर, राहुल सिंह सेंगर, टिंकू तोमर, श्रीकृष्ण तोमर, होतम सिंह, राहुल जाटव, अंकुश तोमर, राजीव तोमर सहित अन्य 40- 50 अज्ञात शामिल हैं। फायरिंग की घटना में विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। किसी भी व्यक्ति को कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता। बिना अनुमति चक्काजाम करना और पुलिस पर हमला करना गंभीर अपराध है। बोर्ड परीक्षाओं के दौरान यातायात बाधित करना छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ है। दोषियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज विंडो

क्षमता वर्धन प्रशिक्षण में योजनाओं के मिलने वाले लाभ की दी जानकारी

तेंदूखेड़ा। जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन सेक्टर तेजगढ़ में नवांकुर संस्था सुरसरि ज्ञान भारती शिक्षण समिति के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में सेक्टर की प्रस्फुटन समितियों–पतलोनी, हरई, कुलुआ, समदई एवं तेजगढ़– की सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम के वरिष्ठ समाजसेवी पंजी लाल जैन, पशु विभाग के एवीएफओ, सेवानिवृत्त डिप्टी रेंजर नेक नारायण खरे सहित अन्य अतिथियों द्वारा मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। प्रशिक्षण की रूपरेखा विकासखंड समन्वयक दीपचंद मालवीय द्वारा प्रस्तुत की गई। उन्होंने प्रशिक्षण के उद्देश्य एवं समितियों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों जैसे नर्सरी निर्माण, जन-जागरूकता अभियान, दस्तावेजीकरण एवं अन्य सामुदायिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में परामर्शदाता सविता विश्वकर्मा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। अंत में सी.एम. इंटर्न जितेंद्र यादव द्वारा आभार व्यक्त किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी समितियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और ग्रामीण विकास के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने का संकल्प लिया।

नदी किनारे मिले 5 वर्षीय बालक को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

औबेदुल्लागंज। उमरावगंज पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक बार फिर मानवीय चेहरा पेश किया है। थाना उमरावगंज के अंतर्गत ग्राम गोकलाकुंडी में बेतवा नदी के किनारे भटके हुए एक 5 वर्षीय मासूम बालक को डायल 112 की टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया। बालक भोपाल जिले के मिसरोद क्षेत्र का रहने वाला निकला। डायल 112 को सूचना मिली कि गोकलाकुंडी में एक छोटा बच्चा लावारिस हालत में घूम रहा है और अपना पता बताने में असमर्थ है। सूचना मिलते ही एफआरवी वाहन मौके पर पहुंचा और बालक को अपनी सुरक्षा में लिया। पुलिस अधीक्षक रायसेन, श्री आशुतोष गुप्ता के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह तोमर ने तुरंत बालक के परिजनों की खोजबीन के लिए टीम गठित की। मासूम इतना छोटा था कि वह अपने पिता या गांव का नाम नहीं बता पा रहा था। पुलिस टीम ने बालक से पारिवारिक माहौल में चर्चा की और उसकी फोटो को आसपास के थानों सहित सोशल मीडिया ग्रुप्स पर सर्कुलेट किया। कुछ ही घंटों की मेहनत रंग लाई और पता चला कि बालक ग्राम मक्सी, थाना मिसरोद (भोपाल) का रहने वाला है। पुलिस ने अविलंब परिजनों से संपर्क कर उन्हें थाने बुलाया और बालक को सुरक्षित उनके सुपुर्द किया। अपने जिगर के टुकड़े को सही-सलामत पाकर परिजनों ने रायसेन पुलिस का आभार व्यक्त किया।

गिरोह में काम बंटा हुआ था,कोई डेटा जुटाता, कोई डिजाइन बनाता, तो कोई फर्जी मुहर व हस्ताक्षर तैयार करता

सोशल मीडिया से चल रहा था 14 यूनिवर्सिटीज का फर्जी खेल, कानपुर में मास्टरमाइंड गिरफ्तार

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

शिक्षा के नाम पर फर्जीवाड़े का एक ऐसा सिंडिकेट पकड़ा गया है, जिसने देशभर के शैक्षणिक गलियारों में खलबली मचा दी है। उत्तर प्रदेश की कानपुर पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो घर बैठे मनचाही डिग्री और मार्कशीट उपलब्ध कराने का दावा कर रहा था। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में मास्टरमाइंड गिरधारी उर्फ गिरीश और उसके साथियों शैलेंद्र कुमार, नागेन्द्र मणि त्रिपाठी, जोगेन्द्र, अश्वनी निगम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि इस गिरोह का संचालन किसी पेशेवर कंपनी की तरह होता था। गिरोह के प्रत्येक सदस्य को उनकी विशेषज्ञता के आधार पर अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं।

शैलेंद्र कुमार (सरगना) व गिरधारी (मास्टरमाइंड) ये गिरोह के मुख्य योजनाकार थे, जो पूरे नेटवर्क की निगरानी करते थे और विश्वविद्यालयों के चयन से लेकर सौदे की रकम तय करने तक का काम संभालते थे। नागेन्द्र मणि त्रिपाठी व जोगेन्द्र (डेटा कलेक्शन)इनका मुख्य काम सोशल मीडिया (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप) के जरिए उन ग्राहकों की तलाश करना था, जो बिना परीक्षा दिए शॉर्टकट से डिग्री हासिल करना चाहते थे। ये अभ्यर्थियों को झांसे में लेकर उनका डेटा जुटाते थे। अश्वनी निगम व अन्य साथी (डिजाइनिंग व फोर्जिंग)=इस टीम की जिम्मेदारी तकनीकी थी। ये असली मार्कशीट की हूबहू डिजाइन तैयार करते थे ताकि कोई पहचान न सके। साथ ही, विभिन्न विश्वविद्यालयों के सक्षम अधिकारियों के जाली हस्ताक्षर और रबर की मुहरें (फोर्जिंग) तैयार करने में ये माहिर थे। सौदा तय होने के बाद हजारों से लाखों रुपए वसूल कर फर्जी दस्तावेज अभ्यर्थियों तक सुरक्षित पहुंचाना इस गिरोह की अंतिम कड़ी थी।

5 आरोपी फरार, तलाश जारी

गिरोह के पांच आरोपी अभी भी फरार हैं। हर डिग्री की कीमत तय थी। बी फार्मा, डी-फार्मा के लिए 2.50 लाख, एलएलबी और बीटेक की डिग्री 1.50 लाख, बीए, बीएससी व बीकाम के लिए 75 हजार रुपए और इंटर की मार्कशीट के लिए 50 हजार रुपए लेते थे। गिरोह के पास से 1000 से ज्यादा डिग्री व मार्कशीट फर्जी माग्रेशन बुकलेट, डिप्टी रजिस्ट्रार की नकली मोहरें समेत 80 प्रपत्र, स्कॉर्पियो और आई-20 कार बरामद की।

एसकेयू बोला- ऑनलाइन प्रक्रिया, कोई अधिकृत एजेंट नहीं

इस मामले में श्री कृष्णा यूनिवर्सिटी छतरपुर के रजिस्ट्रार दिगंत द्विवेदी ने कहा कि पुलिस से आधिकारिक प्रति मिलने पर दस्तावेजों का मिलान किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विवि का कोई एजेंट नहीं है। जालसाजों से सुरक्षा के लिए अब विवि की सभी डिग्रियां और मार्कशीट डिजिलॉकर पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि उनकी प्रमाणिकता की तुरंत जांच हो सके।

जांच के घेरे में आए ये 14 विश्वविद्यालय

पुलिस द्वारा जब्त दस्तावेजों के आधार पर इन संस्थानों के नाम फर्जीवाड़े में उपयोग किए गए हैं-

1. छत्रपति शाहूजी महाराज विवि, कानपुर
2. श्री कृष्णा विवि, छतरपुर
3. स्वामी विवेकानंद सुभारती विवि, मेरठ4. मंगलायतन विवि, अलीगढ़
5. जामिया उर्दू, अलीगढ़
6. लिग्या विवि, फरीदाबाद
7. जेएस विवि, शिकोहाबाद
8. एशियन विवि, मणिपुर
9. ग्लोकल विवि, सहारनपुर
10. सिक्किम प्रोफेशनल विवि, सिक्किम
11. प्रज्ञान इंटरनेशनल विवि, झारखंड
12. हिमालयन विवि, ईटानगर
13. हिमालयन गढ़वाल विवि, उत्तराखंड
14. मोनाड विवि, हापुड़

बीना-कटनी रूट पर भोपाल से धनबाद और चोपन के लिए दो नई ट्रेन

दमोह। दोपहर मेट्रो

यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर भोपाल और धनबाद के मध्य एक जोड़ी नई ट्रेन सप्ताह में तीन दिन का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है। इसके साथ ही चोपन और भोपाल के मध्य भी एक जोड़ी नई ट्रेन साप्ताहिक का परिचालन किया जाएगा।

जिसका विधिवत शुभारंभ मंगलवार को भोपाल में किया गया है। गाड़ी संख्या 11631 भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस सप्ताह में तीन दिन व गाड़ी सं. 11632 धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस का परिचालन होगा। भोपाल से यह ट्रेन सप्ताह के प्रत्येक सोमवार, गुरुवार व शुक्रवार को तथा धनबाद से प्रत्येक रविवार, बुधवार एवं शनिवार को किया जाएगा।

भोपाल- धनबाद एक्सप्रेस का रूट

गाड़ी सं.11631 भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस भोपाल से 20.55 बजे चलकर बीना-दमोह-कटनी मुड़वारा के रास्ते चलेगी। यह ट्रेन उसी रात 12.8 पर सागर होते हुए 1.13 बजे दमोह पहुंचेगी। जबकि अगले दिन 08.45 बजे सिंगरौली, 10.20 बजे चोपन, 11.20 बजे रेणुकूट ,12.35 बजे गढ़वा, 13.20 बजे डालटनगंज, 14.52 बजे टोरी, 17.05 बजे रांची रोड, 6.3 पर बोकारो होते हुए रात 8.20 बजे धनबाद पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 11632 धनबाद-भोपाल एक्सप्रेस धनबाद से 07.20 बजे चलकर 09.45 बजे रांची रोड, 11.20 बजे टोरी, 12.46 बजे डालटनगंज, 13.35 बजे गढ़वा, 15.08 बजे रेणुकूट, 16.05 बजे चोपन, 18.50 बजे सिंगरौली, 9.28 पर ब्योहारी होते हुए रात 11.55 पर कटनी मुड़वारा पहुंचेगी। जबकि रात 1.28 पर दमोह होते हुए 2.28 पर सागर पहुंचेगी। ट्रेन अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन 7.00 बजे भोपाल पहुंचेगी।

भोपाल-चोपन साप्ताहिक का रूट

गाड़ी संख्या 11633/11634 भोपाल-चोपन-भोपाल एक्सप्रेस साप्ताहिक ट्रेन का परिचालन भोपाल से एक मार्च से सप्ताह के प्रत्येक रविवार को तथा चोपन से दो मार्च से सप्ताह के प्रत्येक सोमवार को किया जाएगा। यह ट्रेन भोपाल से 20.55 बजे चलकर बीना-दमोह- कटनी मुड़वारा के रास्ते चलेगी। रात 12.8 बजे सागर होते हुए 1.13 पर दमोह पहुंचेगी। ट्रेन ब्योहारी होते हुए अगले दिन सुबह 08.45 बजे सिंगरौली, 09.03 बजे करैला रोड सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए 10.50 बजे चोपन पहुंचेगी। वापसी में 11634 चोपन-भोपाल एक्सप्रेस 17.10 बजे चलकर 18.20 बजे करैला रोड एवं 18.50 बजे सिंगरौली, 9.28 पर ब्योहारी होते हुए 11.55 पर कटनी मुड़वारा, 1.28 पर दमोह होते हुए 2.28 पर सागर पहुंचेगी। यह ट्रेन अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन सुबह 7 बजे भोपाल पहुंचेगी।

विधायक कालूसिंह का महिला को गाली देते हुए वीडियो वायरल

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की धरमपुरी विधानसभा से भाजपा विधायक कालूसिंह ठाकुर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा हैं, वीडियो में विधायक ठाकुर एक महिला को अपशब्द बोलते हुए नजर आ रहे है। सोशल मीडिया पर महिला को अपशब्द बोलने का एक वीडियों जमकर वायरल हो रहा है, वीडियो में विधायक महिला और उसके बच्चों को गाली देते दिखाई दे रहे है। वीडियों वायरल होने के बाद पीडित महिला और बच्चे धामनोद थाने पहुंचे और एक शिकायती आवेदन दिया है, आवेदन में महिला ने विधायक कालूसिंह ठाकुर पर जान से मारने की धमकी देने और बेटी के कपडे फाडने जैसे संगीन आरोप लगाए है। पुलिस ने विधायक के कर्मचारी की रिपोर्ट पर परिवार के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया हैं, साथ ही पीड़ित परिवार ने भी विधायक के खिलाफ आवेदन सौंपा है।

पीड़ित परिवार ने कल देर रात धामनोद पहुंचकर आवेदन सौंपा है। धरमपुरी के सिरसोदिया निवासी गेंदाबाई पति संतोष गिरवाल ने बताया कि 22 फरवरी को सुबह कारम नदी किनारे फोरलेन के पास मैं और मेरा पोता साहिल गिरवाल बकरी चराते हुए वहां से गुजर रहे थे, उसी दौरान रास्ते में धरमपुरी विधायक कालूसिंह ठाकुर और उनके साथियों ने उन पर पत्थरबाजी कर मारपीट शुरु कर दी। बेटी पिंकी गिरवाल वहां पहुंची तो उसके साथ अभ्रद व्यवहार कर कपड़े फाड़ दिए। जब परिवार को इस घटना की सूचना मिली तो वह भी मौके पर पहुंचे तो विधायक द्वारा हमे जान से मारने की धमकी दी गई जिसकी वीडियो भी हमारे पास उपलब्ध है।

मामले में दो दिन पूर्व विधायक कालूसिंह ठाकुर के कर्मचारी नवदीप पिता भगवान निंगवाल निवासी बलवारी ने भी एक प्रकरण धामनोद थाने पर दर्ज करया था जिसमें बताया था कि बताया कि 22 फरवरी को विधायक के फार्म हाऊस वाले खेत के पास ग्राम सिरसोदिया में पिंकी पिता संतोष गिरवाल, संतोष गिरवाल, गेंदाबाई गिरवाल और रंजु पति शंकर ने आरोपियों द्वारा गालिया देकर जान से मारने की धमकी दी थी।

हनीट्रैप व जानलेवा हमले के शिकार भी हुए विधायक

विधायक कालूसिंह ठाकुर को एक महिला व उसका पति हनी ट्रैप में फंसाने की कोशिश कर दो करोड़ रुपए के लिए ब्लैकमेल किया था, विधायक ने 14 जनवरी को प्रेसवार्ता कर खुलासा किया था. साथ ही यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने धार एसपी आईपीएस मयंक अवस्थी को शिकायत भी की थी , जिसे गंभीरता से नहीं लिया गया था। प्रेसवर्ता के बाद महिला और उसके पति पर प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया था। धामनोद थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे ने बताया कि एक पक्ष की और से पूर्व में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है, महिला की और से भी एक शिकायती आवेदन प्राप्त हुआ है, नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर

स्वच्छता सर्वेक्षण 2026-27: जनप्रतिनिधि और वार्डवासी हुए एकजुट

श्रमदान कर लोगों को बताया जल संरक्षण का महत्व

कोतमा/डोला। दोपहर मेट्रो

भारत सरकार के स्वच्छता सर्वेक्षण 2026-27 के तहत नगर में जल स्वच्छता अभियान ने जोर पकड़ लिया है। इस बार सर्वेक्षण के 10वें संस्करण में न केवल कचरा प्रबंधन, बल्कि प्रयुक्त जल प्रबंधन और जल निकायों की शुद्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और पार्षदों ने वार्ड स्तर पर स्वच्छता चौपाल लगाकर अभियान की शुरुआत की है। पार्षदों द्वारा सीवेज लाइनों की सफाई और सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव की सीधी निगरानी की जा रही है। वार्ड समितियों को सक्रिय कर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाई जा रही है। वार्डवासियों का सक्रिय सहयोग अभियान की सफलता में वार्डवासियों की भागीदारी मुख्य स्तंभ बनी है। नागरिक न केवल अपने घरों से निकलने वाले गीले-सूखे कचरे को अलग कर रहे हैं, बल्कि जल निकायों में गंदगी न फेंकने का संकल्प भी ले रहे हैं। सर्वेक्षण में नागरिक फीडबैक के बढ़ते महत्व को देखते हुए लोग बढ़-चढ़कर अपना ऑनलाइन समर्थन दर्ज करा रहे हैं। कर्मचारियों की मुस्तैदी नगर निगम के सफाई मित्र और तकनीकी कर्मचारी आधुनिक मशीनों और स्वच्छता एप के माध्यम से शिकायतों का त्वरित निराकरण कर रहे हैं। ड्रेनेज सिस्टम की सफाई और जल शोधन संयंत्रों का संचालन 24 घंटे सुनिश्चित किया जा रहा है ताकि शहर की रैंकिंग में सुधार हो सके।

अभियान को साकार कराने के सफल प्रयास में नगर परिषद डोला अध्यक्ष रीनू सुरेश कोल, उपाध्यक्ष रविशंकर तिवारी, सीएमओ राजेश मार्को, इंजीनियर कुंजाम सिंह, लेखापाल राकेश मरावी, स्वच्छता सुपरवाइजर विक्की नाहर, पार्षद, नगर के जनप्रतिनिधि एवं परिषद के सभी स्वच्छता कर्मचारीगण अभियान को सफल अंजाम देने में जुटे हुए हैं।

ये हैं शासन का मुख्य उद्देश्य

- शहर के तालाबों और जल निकायों को प्रदूषण मुक्त बनाना।
- नागरिकों की संतुष्टि और फीडबैक में शीर्ष स्थान प्राप्त करना।
- नगर प्रशासन ने अपील की है कि स्वच्छता केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जन-आंदोलन है।

टी-20 वर्ल्ड कप: भारत सेमीफाइनल में कैसे पहुंचेगा

रन रेट सुधारने के लिए दोनों मैचों में बड़े अंतर से जीत जरूरी, एक और हार टूर्नामेंट से कर देगी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज ने सोमवार को टी-20 वर्ल्ड कप में सुपर-8 के अपने पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को 107 रन से हरा दिया। इस जीत ने भारत की परेशानी बढ़ा दी है। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने पहले मैच में 76 रन से हार गई थी। ग्रुप की टॉप-2 टीम को ही सेमीफाइनल में जगह मिलेगी। समझिए, भारत को सेमीफाइनल में एंट्री कैसे मिलेगी

भारत का सेमीफाइनल समीकरण

अगर भारत वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे दोनों को हरा देता है, तो उसके चार पॉइंट्स हो जाएंगे। अगर साउथ अफ्रीका अपने बाकी बचे दोनों मैच जीत जाता है, तो इंडिया और साउथ अफ्रीका दोनों सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लेंगे। अगर इंडिया दोनों मैच जीत जाता है और साउथ अफ्रीका अपना एक मैच हार जाता है, तो तीन टीमें चार पॉइंट्स पर बराबर हो सकती हैं। उस मामले में क्वालिफिकेशन नेट रन रेट से तय होगा। अगर इंडिया अपने दोनों मैच जीत जाती है और साउथ अफ्रीका अपने दोनों मुकाबले हार जाता है, तो इंडिया और वेस्टइंडीज सेमीफीइनल के लिए क्वालिफाई कर जाएंगे। केवल एक जीत से भारत के पास सेमीफाइनल में पहुंचने के चांस ना के बराबर हो जाएंगे, चाहे बाकी

वेस्टइंडीज को हराना आसान नहीं होगा

भारतीय टीम को इस टी-20 वर्ल्ड कप में अपना अगला मुकाबला 26 फरवरी को जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना है। अंतिम मैच में 1 मार्च को टीम वेस्टइंडीज का सामना करेगी। वेस्टइंडीज के गेंदबाज और बल्लेबाज दोनों ही शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। टीम अभी तक खेले अपने सभी 5 मैच जीती है। साउथ अफ्रीका ने भारत को हराकर मजबूत शुरूआत कर ली है। अब उसे वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलना है। टीम बाकी बचे दोनों मैच जीत लेती है तो सेमीफाइनल में उसकी स्थिति लगभग पक्की हो जाएगी।

सुपर-8 में 12 में से 4 मैच हो गए

सुपर-8 स्टेज में 4-4 टीमों के 2 ग्रुप बने हैं। हर टीम अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ 3-3 मैच खेलेने है। यानी एक ग्रुप में 6 मैच होंगे। इस तरह दोनों ग्रुप को मिलाकर 12 मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें से 4 मैच खेले जा चुके हैं। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें सेमीफाइनल में एंट्री करेंगी। 4 मार्च को पहला सेमीफाइनल होगा, वहीं 5 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। इन्हें जीतने वाली टीम 8 मार्च को फाइनल में भिड़ेगी।

करारी हार के बाद बैटिंग कोच का शॉकिंग खुलासा

गंभीर-सूर्या ने अक्षर को प्लेइंग 11 से बाहर रहने को किया था मजबूर?

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 मैच में टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के हाथों करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है. इस हार के चलते भारत के सेमीफाइनल की राह भी कठिन हो गई है. अहमदाबाद में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम की हार का सबसे बड़ा कारण बल्लेबाजों का प्रदर्शन और अक्षर पटेल को प्लेइंग 11 से बाहर करना रहा. अक्षर की जगह प्लेइंग 11 में वॉशिंगटन सुंदर को जगह दी गई थी. इसको लेकर खूब सवाल उठे. लेकिन अब भारत की इस प्लानिंग के पीछे की वजह भी सामने आ गई है. भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने खुलासा किया है कि सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले से पहले क्यों अक्षर को बाहर किया गया था.

सितांशु कोटक ने किया शॉकिंग खुलासा

कोटक ने बताया कि कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अक्षर पटेल से मैच के पहले लंबी बातचीत की थी और उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने का कारण समझाया था. बता दें कि अक्षर टीम इंडिया के उपकप्तान भी हैं. ऐसे में उन्हें बाहर करने के फैसले पर सवाल उठना लाजमी था. कोटक ने कहा, सूर्या और गौतम दोनों ने उनसे बात की. चाहमें लगा कि सामने टॉप ऑर्डर में तीन बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, इसलिए एक ऑफ स्पिनर की जरूरत है. हमने शुरुआती विकेट भी लिए. वॉशिंगटन ने पावरप्ले में गेंदबाजी नहीं की, जबकि असल में उन्हें पावरप्ले में गेंदबाजी करनी थी.

एफआईएच प्रो लीग

स्पेन से शूट आउट में 3-4 से हारा भारत

होबार्ट , एजेंसी

भारत का एफआईएच पुरुष प्रो लीग में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा जब यहां स्पेन के खिलाफ निर्धारित समय में 1-1 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में उसे 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। मनिंदर सिंह के गोल से 59वें मिनट तक 1-0 की बढ़त बनाए रखने के बावजूद भारत ने अंतिम लम्हों में स्पेन को बराबरी का मौका दिया जब ब्रूनो फॉन्ट ने गोल दागकर मैच को शूटआउट में खींच दिया।

स्पेन ने मैच में जोरदार शुरुआत की। टीम ने चौथे मिनट में ही अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन ड्रैग फ्लिक को भारतीय गोलकीपर मोहित ने आसानी से बचा लिया। स्पेन को लगा कि उन्होंने आठवें मिनट में बढ़त बना ली है लेकिन जोस बास्टेरा के गोल को अस्वीकार कर दिया गया। दबाव से उबरते हुए भारत ने 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन अमित रोहिदास की ड्रैग फ्लिक को स्पेन के गोलकीपर लुई कैलजाडो ने नाकाम कर दिया। भारत को सफलता 19वें मिनट में मिली। कप्तान हार्दिक सिह ने स्पेन के एक खिलाड़ी को पछाड़ते हुए गेंद मनिदर की ओर बढ़ाई जिन्होंने इसे गोल में पहुंचाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। स्पेन ने पलटवार करते हुए पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन पेपे क्यूनिल के शॉट को सूरज करकेरा ने बचा लिया। मध्यांतर तक भारतीय टीम 1-0 से आगे थी। तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने दबाव बनाया और उन्हें लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन दोनों को मोहित ने बचा लिया। तीसरे क्वार्टर के अंत में फोर्टुनो को हरा कार्ड दिखाया गया जिससे मैदान पर स्पेन के 10 खिलाड़ी रह गए। भारत ने 44वें मिनट में इसका फायदा उठाकर बढ़त बना ही ली थी लेकिन कैलजाडो ने पेनल्टी कॉर्नर पर जुगराज सिंह के शॉट को शानदार तरीके से रोक दिया। अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में ही संजय को भी हरा कार्ड मिलने से भारत के भी 10 खिलाड़ी रह गए।

पेनाल्टी कॉर्नर में चूका निशाना

स्पेन ने जल्द ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन करकेरा एक बार फिर डटे रहे। भारत को भी 52वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन रोहिदास का निशाना चूक गया जबकि कुछ मिनट बाद राजिंदर सिंह की ड्रैग फ्लिक भी लक्ष्य से दूर रही। लगातार कोशिशों के बीच 59वें मिनट में रक्षात्मक चूक से भारत ने फॉन्ट को गोल करके स्पेन को बराबरी दिलाने का मौका दे दिया। स्पेन को अंतिम 13 सेकेंड में लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन टीम गोल नहीं कर सकी जिससे मुकाबला निर्धारित समय में 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। शूटआउट में अभिषेक और हार्दिक सिंह गोल करने से चूक गए जिससे भारत को 3-4 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। भारत को इस मुकाबले से सिर्फ एक अंक मिला। भारत का अगला मुकाबला बुधवार को होबार्ट चरण के चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारत यहां पहले चरण में स्पेन से 0-2 से हार गया था जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में 4-5 से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारत इस समय सात मैच में केवल दो अंक के साथ नौ टीम की प्रतियोगिता में आठवें स्थान पर है।

न्यूजीलैंड पर जीत दर्ज करने के लिए श्रीलंका को करना होगा काफी सुधार

कोलंबो , एजेंसी

श्रीलंका को अगर टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले सुपर आठ के करो या मरो के मुकाबले में स्पिन गेंदबाजों के सामने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। पाल्लेकल की धीमी पिच पर इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका के बल्लेबाज स्पिनरों के सामने बुरी तरह से फ्लॉप रहे और 147 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पाए। श्रीलंका की पिचें सह-मेजबान भारत की पिचों की तुलना में बल्लेबाजी के लिए ज्यादा मुश्किल रही हैं और प्रेमदासा पिच पर भी यही सिलसिला जारी रहने की संभावना है, जहां बड़ी बाउंड्री के कारण छक्के लगाना आसान नहीं है। सुपर आठ के पहले मैच में मिली करारी हार के बाद श्रीलंका के बल्लेबाजों के शॉट चयन पर सवाल उठाए गए थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक

लेना होगा। श्रीलंका के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा, यह एक टी20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो यह कहना आसान है, करना मुश्किल।

उन्होंने कहा, क्या इससे बेहतर विकल्प थे। निश्चित रूप से हो सकते थे। मैंने सोचा कि ऐसे विकेट पर जहां गेंद रुक कर आ रही हो, वहां तेजी से रन बनाना अच्छा विचार नहीं है। हमारे कुछ बल्लेबाज तेजी से रन चुराने के प्रयास में आउट हो गए थे। मुझे नहीं लगता कि इन परिस्थितियों में इस तरह से खुद को जोखिम में डालना अच्छा विकल्प था। पथुम निसांका ने बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर दुनिथ वेलालेज ने गेंदबाजी में प्रभावित किया है।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का शेड्यूल जारी

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से शुरू होगा भारत का अभियान

नई दिल्ली। आईसीसी ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का शेड्यूल जारी कर दिया है। इस बार टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जो अब तक के इतिहास में सबसे ज्यादा हैं। मेजबान इंग्लैंड 12 जून को टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में श्रीलंका से खेलेगा। टूर्नामेंट का 10वां एडिशन 12 जून से 5 जुलाई तक खेला जाएगा। टीम इंडिया 14 जून को अपना अभियान इस टूर्नामेंट में शुरू करेगी। भारतीय टीम का पहला मुकाबला पाकिस्तान के साथ होगा। टीम इंडिया के ग्रुप में पाकिस्तान के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और नीदरलैंड भी मौजूद हैं।

दोनों ग्रुप से टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी

आईसीसी ने 12 टीमों को 6-6 टीमों के 2 ग्रुप में बांटा है। इन दोनों ग्रुप की टॉप पर रहने वाली दो-दो टीमें सेमीफाइनल में क्वॉलिफाई करेंगी। आईसीसीके सीईओ का बयान आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा, विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का शेड्यूल जारी होना, इस ग्लोबल प्रीमियर स्पोर्टिंग इवेंट से पहले एक अहम पड़ाव है। यह इवेंट कउउ के विमेंस क्रिकेट में लगातार इन्वेस्टमेंट का हिस्सा है, जिसमें ज्यादा भागीदारी और हाई-परफॉर्मेंस के तरीके, इवेंट और प्रोडक्शन स्टैंडर्ड, टूर्नामेंट प्राइज मनी, मीडिया डिस्ट्रीब्यूशन और कमर्शियल पार्टनरशिप शामिल हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

रियलिटी शो द 50 से बाहर आने के बाद मोनालिसा का दिखा ग्लैमरस अंदाज

भोजपुरी सिनेमा और हिंदी टीवी सीरियल्स की मशहूर अभिनेत्री मोनालिसा आज के समय में एक जाना-माना चेहरा हैं, जो अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के अलावा शानदार डांस मूव्स के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने 125 से अधिक भोजपुरी फिल्मों के साथ-साथ हिंदी, बंगाली, ओडिया, तमिल, कन्नड़ और तेलुगु मूवी में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा है। मोनालिसा हाल ही में देश के एक नए और यूनिक रियलिटी शो द 50 से बाहर आई हैं, जिसमें उन्होंने पहली बार अपने पति विक्रांत सिंह राजपूत के साथ एक प्रतियोगी के रूप में भाग लिया था।

द 50 शो के पैलेस से बाहर आने के बाद मोनालिसा का ग्लैमरस अंदाज देखने को मिल रहा है। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम से कुछ बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कीं, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने फोटो पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, ÷डोपामाइन... बेहद जरूरी।

मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है, जिनका जन्म 21 नवंबर 1982 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में एक बंगाली हिंदू परिवार में हुआ था। अभिनेत्री ने 17 जनवरी, 2017 को देश के सबसे बड़े टीवी रियलिटी शो बिग बॉस हाउस में विक्रांत सिंह राजपूत के साथ शादी की, जो कि खुद एक प्रसिद्ध भोजपुरी फिल्म अभिनेता हैं।

सीरियल नजर से बनाई बड़ी पहचान

मोनालिसा ने बिग बॉस 10 और टीवी सीरियल नजर में मोहना राठौड़ के रूप में बड़ी पहचान बनाई। नजर में उनके डायन के किरदार को लोगों ने काफी पसंद किया था। इसी के साथ भोजपुरी फिल्मों ने उन्हें इंडस्ट्री में एक मशहूर हस्ती बना दिया। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी बोल्ड व स्टाइलिश तस्वीरों के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस भोजपुरी इंडस्ट्री की बड़ी अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिनका नाम सबसे अधिक फीस लेने वाली एक्ट्रेस में शामिल है। वहीं, मोनालिसा की भोजपुरी जर्नी की बात करें, तो उन्होंने इंडस्ट्री के सबसे बड़े कलाकारों के साथ काम किया है, जिनमें पवन सिंह, मनोज तिवारी और निरहुआ जैसे सितारों के नाम शुमार हैं।

मेट्रो बाजार

भारत में औसत वेतन वृद्धि 2026 में 9.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली । भारत में औसत वेतन वृद्धि 2026 में 9.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो कि 2025 में 8.9 प्रतिशत थी। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। प्रोफेशनल सर्विसेज फर्म एओन पीएलसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि वेतन वृद्धि इंडस्ट्री के अनुसार अलग-अलग होगी, जिसमें रियल एस्टेट या इंफ्रास्ट्रक्चर और एनबीसीएफसी में क्रमशः 10.2 प्रतिशत और 10.1 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया कि टेक्नोलॉजी, कंसल्टिंग और सर्विसेज इंडस्ट्री की वृद्धि दर सबसे कम 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं, ऑटोमोटिव और वाहन निर्माण, इंजीनियरिंग डिजाइन सेवाएं, इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग एवं खुदरा क्षेत्र में भी औसत से थोड़ी अधिक वेतन वृद्धि होने की संभावना है। खुदरा क्षेत्र के कर्मचारियों के वेतन में औसतन 9.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि लाइफ साइंस कंपनियों के वेतन में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। वैश्विक क्षमता केंद्रों के वेतन में 9.3 प्रतिशत और फंड एवं एसेट मैनेजनेंट कंपनियों के वेतन में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि का पूर्वानुमान है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 1,400 से अधिक संगठनों और 45 उद्योगों को शामिल करने वाले इस अध्ययन में पाया गया कि भारत में नियोक्ता प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और ग्राहक-केंद्रित क्षमताओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि बदलते बाजार परिवेश में संगठन विशिष्ट प्रतिभाओं के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

मजबूत घरेलू मांग के कारण तीसरी तिमाही में 8.1% रह सकती है वृद्धि दर

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और अमेरिकी व्यापार नीतियों में हो रहे बड़े बदलावों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था अपने मजबूत घरेलू आधार के दम पर मजबूती से खड़ी है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 8.1 प्रतिशत के करीब रहने का अनुमान है। वहीं, दूसरी ओर मूडीज एनालिटिक्स की एक रिपोर्ट यह संकेत देती है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 15 प्रतिशत के एकमुश्त टैरिफ से ग्लोबल ट्रेड और विशेष रूप से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के व्यापारिक समीकरणों में बड़े बदलाव आ सकते हैं।

घरेलू खपत से भारतीय अर्थव्यवस्था को मिली रफ्तार- एसबीआई की रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि भारत की आर्थिक वृद्धि का मुख्य इंजन उसकी घरेलू मांग है।

खपत में वृद्धिः कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों से मिल रहे सकारात्मक संकेतों के कारण ग्रामीण खपत मजबूत बनी हुई है। इसके साथ ही, पिछले त्योहारी सीजन के खर्च और राजकोषीय प्रोत्साहन से शहरी खपत में भी निरंतर सुधार देखने को मिला है।

जीडीपी अनुमानः पहली अग्रिम रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की कुल जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

बेस ईयर में बदलावः भारत अपने जीडीपी का बेस ईयर 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर रहा है, जिसके नए आंकड़े 27 फरवरी 2026 को जारी होंगे। यह नया बेस ईयर डिजिटल कॉमर्स और सर्विस सेक्टर के बढ़ते प्रभाव को बेहतर ढंग से दर्शाएगा।

महंगाई दर का लक्ष्यः उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) का बेस ईयर भी 2024 कर दिया गया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के अनुसार, इसके आधार पर अप्रैल की मौद्रिक नीति की समीक्षा की जाएगी।

खुशी में वादे न करो और दुख में फैसला न करो

भाग्यश्री ने बताया जिंदगी को आसान बनाने का फंडा

अभिनेत्री भाग्यश्री अपनी शानदार अदाकारी और सकारात्मक सोच के लिए फैंस के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करवाती रहती हैं। मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए जिंदगी को खुलकर जीने की सलाह दी।

उन्होंने एक वीडियो पोस्ट कर कैप्शन लिखा, जिंदगी के आसान फंडे खुशी में वादे न करो, दुख में फैसला न करो, गुस्से में जवाब न दो और किसी के दर्द का कारण न बनो। ये जीवन को सही तरीके से जीने के लिए कुछ आसान उसूल हैं।

उन्होंने लिखा, जिंदगी के आसान सूत्र। कभी-कभी सबसे सरल चीजें भी मुश्किल हो जाती हैं, जब हम जरूरत से ज्यादा करने की कोशिश करते हैं। इससे यह सीख मिलती है कि किसी काम को तभी करें जब हमारा मन शांत और संतुलित हो। भाग्यश्री सोशल मीडिया पर इस तरह के वीडियो पोस्ट कर सकारात्मकता फैलाती हैं। उन्होंने अपने इस वीडियो के माध्यम से समझाया है कि जीवन में असली खुशी और मजबूती अंदर के विचारों से आती हैं, न की बाहरी दिखावे से। फैंस उनके पोस्ट को काफी पसंद कर रहे हैं। साथ ही, उनके इस मैसेज से अपनी सहमति जाहिर कर रहे हैं। भाग्यश्री ने भले ही फिल्मों में कम काम किया हो, लेकिन अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई है। पहली फिल्म मैंने प्यार किया में काम कर उन्होंने अपनी सादगी से दर्शकों का ध्यान खींचा था। वह फिल्म की रिलीज के बाद रातों रात स्टार बन गई थीं। हालांकि इससे पहले वे टीवी सीरियल कच्ची धूप में नजर आ चुकी थीं।

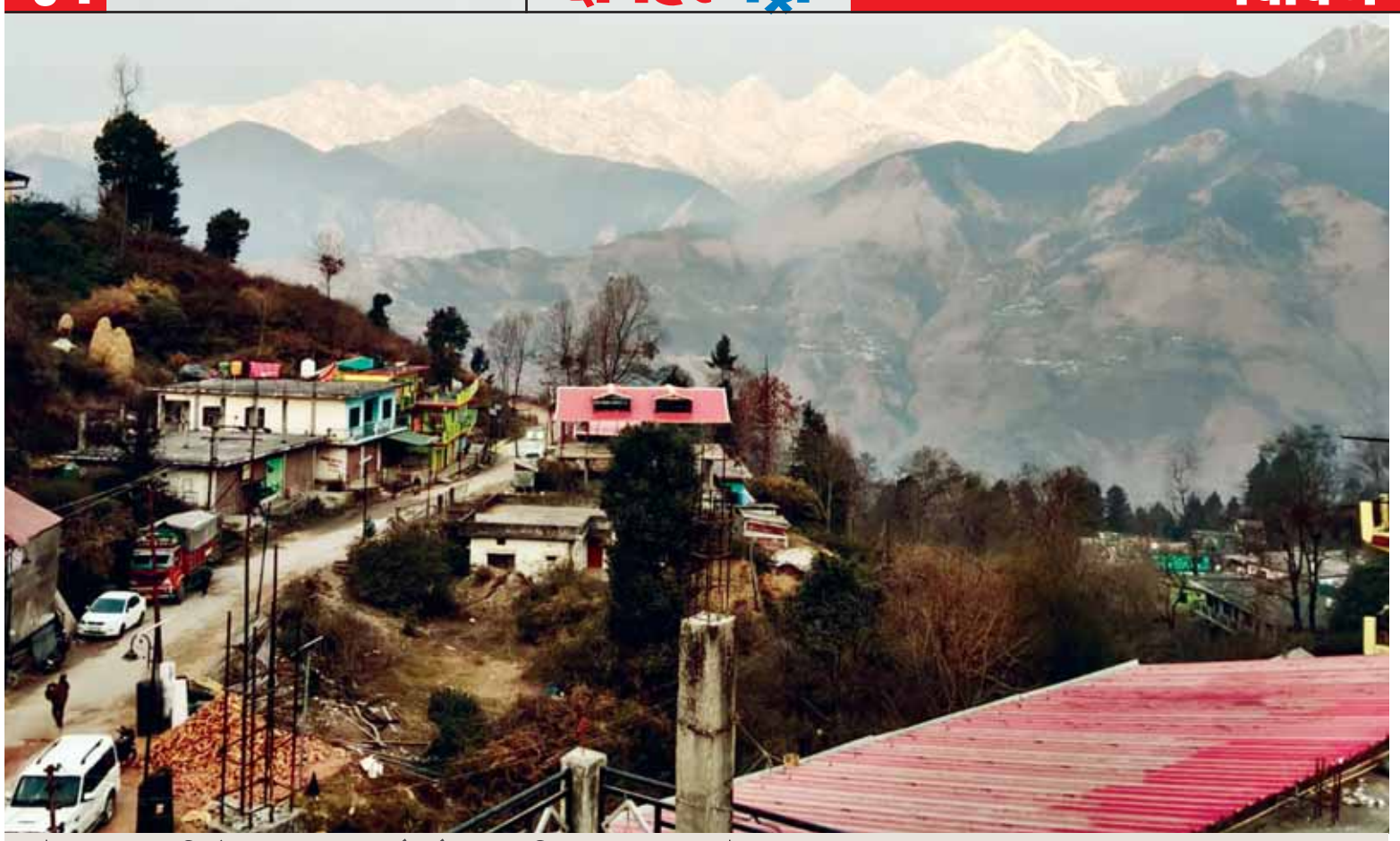

एमपी के 20 जिलों में आंधी-बारिश ओले भी गिरे, फसलों को नुकसान

राजस्थान में पारा 36 डिग्री पर पहुंचा मौसम विभाग दे दी हीटवेव की चेतावनी

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में तीन दिनों से बर्फबारी जारी, मैदानों में बारिश के आसार

देहरादून/शिमला/ भोपाल, एजेंसी

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के पंचाचूली समेत कई क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हुई। यहां ऊंचाई वाले इलाकों में तीन दिन से बर्फबारी जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक, 27 और 28 फरवरी से मौसम का मिजाज बदलेगा और पहाड़ी जिलों में बारिश होगी।

हिमाचल प्रदेश: दो दिन बाद फिर बारिश-बर्फबारी, तापमान में आएगी गिरावट: हिमाचल प्रदेश में 2 दिन बाद हल्की बारिश-बर्फबारी के आसार बन रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 27 फरवरी को वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इससे 27 फरवरी को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू व लाहौल स्पीति जिला की अधिक ऊंची चोटियों पर और 28 फरवरी को मंडी व किन्नौर जिला में भी हल्की बारिश व बर्फबारी हो सकती है।राजस्थान में गर्मी का सीजन शुरू हो गया और दिन का अधिकतम तापमान अब 36°C से ऊपर चला गया। बाड़मेर में मंगलवार को दिन का टेंपरेचर 36.3°C रहा। अधिकांश इलाकों में न्यूनतम-अधिकतम सामान्य से 2 से 5 डिग्री सेल्सियस ऊपर दर्ज हो रहा है। मौसम विभाग ने राज्य में होली के आसपास हीटवेव की चेतावनी जारी की है। इस दौरान पारा 40°C तक जा सकता है।

वहीं, सिक्किम के ऊंचे इलाकों में मंगलवार को 15th माइल और त्सोमगो झील के पास भारी बर्फबारी हुई। इससे सड़कें जाम हो गईं। यहां लगभग 2,736 टूरिस्टों को ले जा रही कुल 541 टूरिस्ट गाड़ियां फंस गईं। अधिकारियों ने बताया कि सिक्किम पुलिस, GREF/BRO, ड्राइवर एसोसिएशन की मदद से सभी गाड़ियों और टूरिस्ट्स को सुरक्षित निकाला गया।

मध्यप्रदेश में बिगड़ा मौसम का मिजाज, मार्च की शुरुआत में गिरेगा पानी

मध्य प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ के असर से मौसम बदला हुआ है। पिछले दो दिनों में प्रदेश के 20 से अधिक जिलों में तेज आंधी और बारिश हुई है। कुछ इलाकों में ओले भी गिरे हैं, जिससे गेहूं और चने की फसलों को नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग के अनुसार मार्च की शुरुआत में एक बार फिर बारिश हो सकती है। मंगलवार को छिंदवाड़ा, सिवनी, बैतूल, पांढुर्णा, रतलाम, उज्जैन, बालाघाट, मंडला, खंडवा, सीहोर, रायसेन, इंदौर, अनूपपुर और डिंडौरी सहित कई जिलों में मौसम बिगड़ा रहा। कहीं तेज आंधी के साथ बारिश हुई तो कहीं ओलावृष्टि दर्ज की गई।

अमेरिका से अंतिम डील हुई ही नहीं तो मोदी रद्द क्या करें राहुल जी?

दोपहर मेट्रो विश्लेषण

राहुल गांधी ने 24 फरवरी की दोपहर एक बड़ी किसान महापंचायत में मोदी को भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को रद्द करने की चुनौती दे डाली है। आरोप है कि नरेंद्र मोदी ने भारत और उसके किसानों का सौदा कर लिया। खरगे ने कहा कि ये नरेंद्र मोदी नहीं बल्कि सरेंडर मोदी हैं। दावा है कि एपस्टीन फाइल में अपना नाम होने तथा गौतम अडाणी को अमेरिका में दर्ज क्रिमिनल केस से बचाने के लिए उन्होंने अमेरिका के आगे घुटने दिए। इन आरोपों को लेकर कोई प्रामाणिक आधार या सबूत कांग्रेस के पास नहीं हैं। सवाल है कि ऐसे में भ्रम के हालात पैदा करने का मकसद क्या है?

चलिए, हम इस मुद्दे पर विस्तार से बात करते हैं। अंतरिम और अंतिम ट्रेड डील का फर्क शायद राहुल नहीं समझते। राहुल चाहते हैं कि नरेंद्र मोदी अपने सारे काम छोड़कर ट्रंप के नित नए शगूफों पर खुद प्रतिक्रिया दें। सवाल यह है कि ट्रम्प हर दूसरे दिन अपनी बात से पलट जाते हैं, तो क्या मोदी को हर दिन उनकी बात का जवाब देना चाहिए? लेकिन राहुल ट्रम्प और अपने आरोपों पर मोदी से कैफियत मांगते हैं और उनकी चुप्पी पर कहते है कि वह उनसे डरते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि भारत की अमेरिका से ट्रेड डील पर प्रारंभिक सहमति बनी थी। इसे ही अंतरिम ट्रेड डील कहा जाता है। भारत की ओर से केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में बाकायदा बयान देकर फरवरी के पहले हफ्ते में इस अंतरिम समझौते की पुष्टि भी की। यह बात सबको पता है और डिप्लोमेटिक स्तर पर जिस तरह से जितनी पारदर्शिता की दरकार होती है, उसको किया गया। लेकिन अंतरिम डील ही अंतिम नहीं होती। दोनों देशों के बीच सौदेबाजी होती है और दोनों की सहमति के बाद ही डील अंतिम मुकाम तक पहुंचती है। इसके बाद ही अंदाजा लगता है कि कौन कितने नफे में रहेगा और कौन कितने नुकसान में। अभी तक भारत को अमेरिका के मुकाबले ज्यादा व्यापारिक फायदा होता आया है। ऐसा कई अन्य देशों के साथ भी है। इसीलिए अमेरिका फर्स्ट की बात करते हुए ट्रम्प बार-बार दोहराते हैं कि विदेश व्यापार में अमेरिका को कई देशों ने लूटा है। ट्रम्प यह नहीं समझ रहे कि इससे उनके देशवासियों को कितना फायदा मिला और नई टैरिफ नीति के बाद अमेरिकी सरकार का कितना भला हुआ।

बहरहाल, फायनल डील पर इसकी वार्ता शुरू होती उसके पहले ही अमेरिका की सर्वोच्च अदालत ने 20 फरवरी को ट्रम्प टैरिफ को सिरे से नकारते हुए 6-3 के बहुमत के साथ नकार दिया। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में नौ जस्टिस होते हैं। वर्तमान में छह जस्टिस रिपब्लिकन पार्टी और तीन उसकी विरोधी डेमोक्रेट पार्टी के जरिए नियुक्त हैं। ट्रम्प बड़बोले हैं। जिद्दी भी हैं। लेकिन अभी बौखलाट में हैं। वे अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल करके सुप्रीम कोर्ट को धता बता रहे हैं। लेकिन एकतरफ आयात के बदले अमेरिकी सरकार द्वारा वसूले गए 134 अरब डॉलर लौटाने की निर्यातकों की मांग उन्हें तंग कर रही है तो दूसरी तरफ टैरिफ के चलते मंहगाई के बोझ तले दबे अमेरिका के निवासी भी हर्जाना मांग कर रहे हैं। ट्रंप अदालत के फैसले से पहले ही कह रहे थे कि यदि नए टैरिफ रद्द किए तो अमेरिकी सरकार की अर्थव्यवस्था चौपट हो जाएगी।

असमंजस के हालात में भारत ने अंतिम ट्रेड डील की प्रक्रिया को कुछ दिनों पहले स्थगित कर दिया है। भारत वेट एंड वॉच की रणनीति अपना रहा है। टैरिफ को लेकर छाए कुहासे के बदल छंटने के बाद ही भारत कोई कदम आगे बढ़ाएगा। नेता प्रतिपक्ष के बतौर राहुल गांधी को देश के आंतरिक मामलों में गड़बड़ियों को घेरने का पूरा हक है, लेकिन विदेशी मसलों पर बोलना परिपक्वता की मांग करता है। मोदीफोबिया उन पर सवारी करता दिखता है। जब अंतिम ट्रेड डील हो जाए तो फिर उसकी बारीकियों को समझने के बाद राहुल गांधी बोलेंगे तो उनकी बात गंभीरता से सुनी जाएगी। वैसे जब शादी (फायनल डील) हो तभी तो तलाक की बात हो सकती है। अभी मंगनी(अंतरिम डील) तोड़ने वाले हालात नहीं हैं।

न्यूज विंडो

दिल्ली में पत्नी व 3 बच्चों की धारदार हथियार से हत्या, पति फरार

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी दिल्ली के चंदन पार्क इलाके में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और तीन मासूम बच्चों की धारदार हथियार से हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वारदात घर के अंदर हुई। आसपास के लोगों को घटना का पता चलने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घर से चारों के शव बरामद किए। सभी की हत्या तेजधार हथियार से किए जाने की आशंका जताई जा रही है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसकी तलाश में कई टीमें गठित की गई हैं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

गाजियाबाद के ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल में तेंदुआ दिखने से दहशत

गाजियाबाद। गोविंदपुरम स्थित ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल परिसर में तेंदुआ दिखाई देने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई, जबकि पुलिस ने एहतियातन आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी है। शासन के अनुसार, छात्रों और स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। स्कूल के आसपास के रास्तों पर बैरिकेडिंग कर आवाजाही रोक दी गई है, ताकि किसी प्रकार की अनहोनी न हो। वन विभाग की टीम तेंदुए की तलाश में सर्च ऑपरेशन चला रही है। आसपास के लोगों से घरों के अंदर रहने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है। पुलिस और वन कर्मी लगातार इलाके की निगरानी कर रहे हैं।

शादी की सालगिरह के दिन दिया था वारदात को अंजाम

76 साल के बुजुर्ग ने पत्नी को 12 टुकड़ों में काटा था, कोर्ट ने दी फांसी

कलेर (अरवल), एजेंसी

बिहार के अरवल जिले में अपनी पत्नी की नृशंस हत्या करने वाले रिटायर्ट टीचर बीरबल प्रसाद को अपने कर्मों की सजा मिल गई है। 22 जुलाई 2024 का है, जिस दिन बीरबल प्रसाद की शादी की 57वीं सालगिरह थी।

उसी दिन बीरबल ने घर पर अपनी 70 वर्षीय पत्नी सुमंती सिन्हा की हत्या कर शव को 12 टुकड़ों में काट दिया था। न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने इसे जघन्य अपराध मानते हुए फांसी की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम रवि रंजन मिश्रा की अदालत ने पत्नी की नृशंस हत्या के मामले में सेवानिवृत्त शिक्षक जिले के मेहंदिया थाना क्षेत्र के जमुहारी गांव निवासी 76 वर्षीय बीरबल प्रसाद को फांसी की सजा सुनाई है।

अदालत ने इसे विश्वास और वैवाहिक संबंधों की मर्यादा को तार-तार करने वाला अपराध बताते हुए कहा कि यह मामला दुर्लभतम श्रेणी में आता है।

चाचा के साथ अवैध संबंध का शक

सेवानिवृत्ति के बाद वह भी गांव में रहने लगा। पत्नी का अधिक समय चाचा की सेवा में लगने को लेकर उसके मन में संदेह उत्पन्न हुआ, जिसको लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। इसी के चलते साजिश रचकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया। वर्ष 2021 से पत्नी की हत्या की साजिश रच रहा था। शादी की 57वीं सालगिरह आने पर उसने पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी और शव को 12 टूकड़ों में काट दिया था। उस दिन घर में सिर्फ एक बहू थी, जिसे कमरे में बंद कर दिया था। बीरबल प्रसाद का एक बेटा इंजीनियर, दूसरा बीएसएफ, तीसरा शिक्षक, चौथा आटो मालिक व बेटी भी शिक्षिका है, सभी की शादियां हो चुकी हैं। बीरबल प्रसाद अभी मंडल कारा जहानाबाद में हैं।

दो पुलिसकर्मियों की हत्या करने वाला टेर

गुरदासपुर। गांव आदियां स्थित पुलिस चेक पोस्ट पर तैनात दो पुलिस कर्मियों की बेरहमी से हत्या के मामले में आरोपित रणजीत सिंह निवासी आदियां को बुधवार सुबह पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया गया। मुठभेड़ में आरोपित जख्मी हो गया, जिसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। यह मुठभेड़ बुधवार सुबह हुई, जब पुलिस टीम आरोपित रणजीत सिंह की तलाश में उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। घायल अवस्था में उसे तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, रणजीत सिंह शनिवार-रविवार की दरमियानी रात आदियां पुलिस चेक पोस्ट पर हुए हमले में शामिल था।

अमेरिका की ईरान पर हमले की आशंका और बढ़ी

पीएम मोदी के पहुंचने से पहले इजरायल में उतरे अमेरिका के एफ-22 फाइटर जेट

तेल-अवीव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेल-अवीव पहुंचने से पहले अमेरिका ने इजरायल में पहली बार अपना एफ-22 फाइटर जेट उतार दिया है। इससे ईरान पर हमले की आशंका और अधिक बढ़ गई है। ऐसा माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा पूरी होने तक ईरान पर हमले को अमेरिका ने होल्ड कर दिया है। पीएम मोदी की भारत वापसी के बाद ईरान पर हमला किसी भी वक्त हो सकता है।

अमेरिका का यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड भी इजरायल के करीब पहुंच चुका है। यह दुनिया का सबसे बड़ा और खतरनाक न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर है। फिलहाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इजरायल के 2 दिवसीय दौरे पर हैं। वह आज दोपहर तक इजरायल पहुंच जाएंगे। इसके बाद कई कार्यक्रमों समेत द्विपक्षीय वार्ताओं में हिस्सा लेंगे। इस दौरान भारत और इजरायल में महत्वपूर्ण रक्षा सौदों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। पीएम मोदी बृहस्पतिवार को भारत के लिए रवाना हो जाएंगे।

शिखर धवन को राहत, एक्स-वाइफ लौटाएंगी 5.72 करोड़ रुपए

दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन को बड़ी राहत देते हुए दिल्ली फैमिली कोर्ट ने उनकी एक्स-वाइफ को लगभग 5.72 करोड़ लौटाने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के एक फैमिली कोर्ट का 'प्रॉपर्टी सेटलमेंट' के तहत उनकी अलग रह रही पत्नी को यह रकम देने का आदेश भारतीय कानूनों के खिलाफ है। पटियाला हाउस कोर्ट के फैमिली कोर्ट के जज देवेंद्र कुमार गर्ग ने एक्स-वाइफ को यह भी आदेश दिया कि वह

ऑस्ट्रेलियन फैमिली कोर्ट के आदेश के अनुसार 16.9 करोड़ की मांग न करें। जज ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन फैमिली कोर्ट का आदेश, खासकर 'प्रॉपर्टी सेटलमेंट' नाम के कॉन्सेप्ट के तहत, हिंदू मैरिज एक्ट के नियमों के खिलाफ है।

जज ने साफ किया कि विदेश में कोर्ट के पास किए गए ऑर्डर भारत में लागू नहीं होंगे, क्योंकि (ऑस्ट्रेलियन) फैमिली लॉ एक्ट, 1975 में 'प्रॉपर्टी सेटलमेंट' की कार्रवाई का प्रावधान है, जिसमें पति की सारी प्रॉपर्टीज एक 'मैरिटल पूल' में आ जाती हैं और कोर्ट भारत और विदेश दोनों जगह कुल प्रॉपर्टीज का 60 परसेंट भी पत्नी को देने का अधिकार रखता है।

मेट्रो एंकर संन्यास के बाद बॉलीवुड सिंगर का फैंस के लिए पहला भावुक पोस्ट, कहा -शुक्रिया

कौन जाने आगे क्या... यह दुनिया बड़ी 'निर्दयी' है: अरिजीत

मुंबई, एजेंसी

अरिजीत सिंह ने बीते दिनों प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास की घोषणा कर इंटरनेट पर हलचल मच दी थी। फैंस इस बात से निराश थे कि आखिर उन्होंने ये फैसला क्यों लिया। इसके बावजूद उनके गाने रिलीज होते रहे। हाल ही में उन्होंने आमिर खान की फिल्म 'एक दिन' में उनके साथ काम किया, जिससे लोगों को हैरानी भी हुई।

इसी वजह से कई लोगों ने उनके संन्यास के फैसले पर सवाल भी उठाए। अब गायक ने संन्यास के बाद गानों की रिलीज को लेकर स्पष्टीकरण देते हुए एक बयान जारी किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने विचार और गानों को रिलीज करने की प्रक्रिया के बारे में बात की। फैंस के लिए एक भावुक पोस्ट में अरिजीत ने बताया कि उनके कई सारे गाने हैं, जो पेंडिंग हैं और वो अगले साल तक भी एक-एक करके रिलीज होते रहेंगे। उन्होंने इस 'बेरहम और निर्दयी दुनिया' में फैंस के प्यार के लिए शुक्रिया अदा किया।

पहले के प्रोजेक्ट्स पूरे करना जरूरी

अपने फेसबुक हैंडल पर दिग्गज गायक ने बताया कि उन्होंने संन्यास की घोषणा से पहले ही कुछ प्रोजेक्ट्स लिए थे, इसलिए उन्हें पूरा करना जरूरी है। अरिजीत ने फैंस को जानकारी दी कि उन्होंने नए प्रोजेक्ट्स लेना बंद कर दिया है और संन्यास के अपने निर्णय को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने लिखा, 'यह संदेश सिर्फ मेरे श्रोताओं के लिए है, कृपया अगर आप मेरे श्रोता नहीं हैं तो इसे न पढ़ें और राइट स्वाइप करें, यह एक विनम्र निवेदन है। नमस्कार प्यारे लोगों! मैं आप सभी को बताना चाहता हूं कि मैं आप सभी से प्यार करता हूं। इस निर्दयी दुनिया में आपकी दयालुता के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

कोई नया असाइनमेंट नहीं लेंगे अरिजीत

अरिजीत सिंह ने बताया कि फैंस को उनके गाने सुनने को मिलते रहेंगे। उन्होंने आगे लिखा, 'हालांकि मैंने नए असाइनमेंट लेना बंद कर दिया है, लेकिन आप जानते हैं कि पेंडिंग गाने काफी सारे हैं। मुझे अभी बहुत सारे गाने पूरे करने हैं। लोगों को समझाने में समय बर्बाद न करें, आप कितनी बार समझाएंगे? इतने सारे अधूरे गाने हैं, जो पूरे होने तक रिलीज होते रहेंगे। शायद पूरे साल भर। शायद अगले साल तक भी। शांत रहें। इस प्लेटफॉर्म से दूर रहने की कोशिश करें। अपने शरीर से स्पाइक प्रोटीन निकालें, 5 ग्राम छोड़ दें, पढ़ें, प्यार करें, ध्यान करें। जय देवी।' अरिजीत सिंह ने फिर एक और ट्वीट किया है, जिसमें लिखा है, 'और फिर कौन जाने आगे क्या होगा।' बता दें कि सिंगर ने 27 जनवरी को एक इंस्टा पोस्ट के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की थी। अब लगभग एक महीने बाद फैंस के लिए उनका ये संदेश आया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564